Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 203
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-शुक्रवार,21 नवम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सपा विधायक सुधाकर सिंह का लखनऊ में निधन | 4 नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट | 5 बेटे वायु के जन्म के 3 साल बाद सोनम

राष्ट्रपति मुर्मू ने मनाया जनजातीय गौरव दिवस

क्रांति गोंड जैसी बेटियां हमारे समाज की प्रेरणा

अंबिकापुर (एजेंसी)। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को छत्तीसगढ़ सरकार के आमंत्रण पर यहां पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। ऐतिहासिक आयोजन में राष्ट्रपति ने राज्य सरकार की जनजातीय उन्नयन और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़ी पहलों की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ देश की जनजातीय परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र है। मुर्मू ने अपने संबोधन में धरती आबा शहीद बिरसा मुंडा और छत्तीसगढ़ महतारी का स्मरण करते हुए कहा, जनजातीय समुदायों ने देश की आजादी और विकास में अमूल्य योगदान दिया है। उनकी परंपराएँ, संस्कृति और जीवन-मूल्य भारत की आत्मा हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति भवन में जनजातीय दर्पण नाम से एक नया संग्रहालय स्थापित किया गया है, जो देश की जनजातीय विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने आत्मीयता के साथ कहा कि उन्हें गर्व है कि वह एक महिला हैं और अनुसूचित जनजाति समुदाय से आती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती खिलाड़ी क्रांति गोंड का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, क्रांति गोंड जैसी बेटियाँ हमारे समाज की प्रेरणा हैं, जो बताती हैं कि अवसर मिलने पर आदिवासी युवा हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में वामपंथी उग्रवाद के मुद्दे पर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर शांतिपूर्ण और सुरक्षित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए दृढ़ता से कार्य कर रही हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई भी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, राज्यपाल रमेन डेका ने अपने संबोधन में कहा, यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है कि राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री दोनों अनुसूचित जनजाति समाज से आते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी नई ऊँचाइयां हासिल की जा सकती हैं। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक उत्सवधर्मिता, जनजातीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्रपति के आशीर्वचन के साथ हुआ, जिसने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस को ऐतिहासिक बना दिया।

शीतकाल के लिए 25 नवंबर को बंद होंगे धाम के कपाट, पंच पूजा होगी शुरू, मां लक्ष्मी को चढ़ेगा कढाई भोग

बदरीनाथ (एजेंसी)। केदारनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट के बाद अब बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने होने हैं। दो दिन बाद कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी मंगलवार 25 नवंबर को अपराह्न 2 बजकर 56 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के तहत कल शुक्रवार से पंच पूजाएं शुरू होंगी। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने यह जानकारी दी। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के तहत पंच पूजाओं के पहले दिन 21 नवंबर को भगवान गणेश की पूजा होगी। शाम को इसी दिन भगवान गणेश के कपाट बंद होंगे। दूसरे दिन 22 नवंबर को आदि केदारेश्वर मंदिर और शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद होंगे। तीसरे दिन 23 नवंबर को खडग-पुस्तक पूजन और वेद ऋचाओं का वाचन बंद हो जाएगा। इसके बाद चौथे दिन 24 नवंबर को मां लक्ष्मी को कढाई भोग चढ़ाया जाएगा। और 25 नवंबर को अपराह्न दो बजकर 56 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। 26 नवंबर सुबह कुबेर एवं उद्धव सहित आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी शीतकालीन प्रवास पांडुकेश्वर और श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ को प्रस्थान करेंगे। श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी शीतकाल में गद्दीस्थल पांडुकेश्वर में प्रवास करेंगे जबकि आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी 27 नवंबर को श्री नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ पहुंचेगी, बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया जाएगा।

राहुल गांधी के मानहानि मामले पर टली सुनवाई, कोर्ट ने अगली तारीख 4 दिसंबर तय की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस याचिका पर सुनवाई टाल दी है, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना पर दिए बयान को लेकर चल रहे मानहानि मुकदमे के समन को चुनौती दी थी। कोर्ट ने अगली सुनवाई 4 दिसंबर के लिए तय कर दी है। इस बीच निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट की लगाई गई अंतरिम रोक बरकरार रहेगी।यह मामला भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के एक बयान से जुड़ा है। यात्रा के समय उन्होंने गलवान घाटी में 2020 की भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी।इस बयान पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व डायरेक्टर उदय शंकर श्रीवास्तव ने आपत्ति जताई और लखनऊ की एक निचली अदालत में राहुल गांधी के

खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इस बयान से भारतीय सेना की छवि खराब हुई और यह अपमानजनक था।इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने निचली अदालत के समन को रद्द करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने राहुल को फटकार लगाते हुए कहा था कि बोलने की आजादी की भी कुछ सीमाएं होती हैं। सेना का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट में पिछली सुनवाई के दौरान भी जजों ने राहुल के बयान पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए पूछा कि ऐसी बातें संसद में उठानी चाहिए, न कि सार्वजनिक मंचों पर। हालांकि कोर्ट ने लखनऊ की अदालत में चल रहे मुकदमे पर तीन हफ्ते के लिए अंतरिम रोक लगा दी थी। अब यह रोक अगली सुनवाई तक जारी रहेगी।

10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम बने सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी)। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सुबह 11.30 बजे रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ मंत्रिमंडलीय सहयोगियों ने भी शपथ ली। इसके अलावा सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व कई केंद्रीय मंत्रियों सहित एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, मेघालय के सी. के. संगमा, ओडिशा के मोहन चरण मांझी,

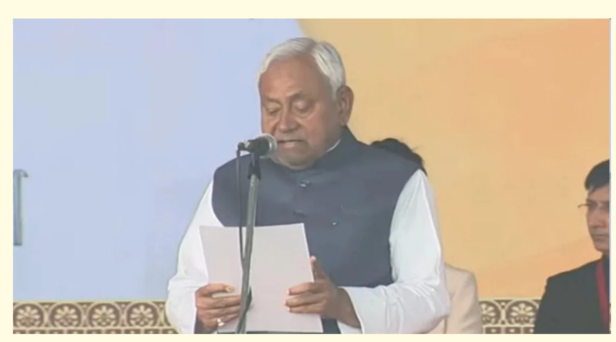

गुजरात के भूपेंद्र पटेल, गोवा के प्रमोद सावंत, दिल्ली की रेखा गुप्ता, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, असम के हिमंत विश्व शर्मा, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए है। कुमार (74) पहली बार 2000 में बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि, उनकी सरकार आठ दिनों के भीतर गिर गई थी। उनका दूसरा कार्यकाल 2005 में शुरू हुआ और उसके बाद से 2014 तक वे लगातार राज्य की कमान संभालते रहे। 2014 के लोकसभा चुनाव में जदयू के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन कुछ समय बाद फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कुमार ने आखिरी बार जनवरी 2024 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जब उन्होंने और उनकी पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी की थी। शपथ ग्रहण समारोह भाग लेने आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, बिहार के लोगों को इस नयी सरकार के बनने पर बधाई। मुझे विश्वास है कि बिहार आने वाले समय में विकसित हो रहे भारत का वृद्धि इंजन बनेगा। जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, आज नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में राजग की सरकार का गठन होने जा रहा है।

ममता बनर्जी का ECI को पत्र, लगाया कुप्रबंधन का आरोप

कहा- 'अराजक और खतरनाक है एसआईआर'

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले जारी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर सियासी बवाल मचा हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कहा कि वर्तमान एसआईआर न केवल बिना योजना का, अराजक, बल्कि खतरनाक भी है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि एसआईआर के 'कुप्रबंधन' की मानवीय कीमत अब असहनीय है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर को रोकने की मांग पर जोर देते हुए हाल ही में एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की आत्महत्या के मामले को उठाया। ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में कथित कुप्रबंधन को लेकर चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि मुझे तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की उम्मीद है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि

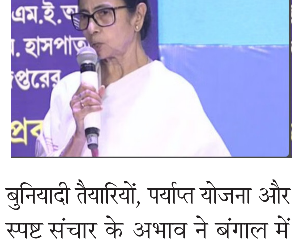

बुनियादी तैयारियों, पर्याप्त योजना और स्पष्ट संचार के अभाव ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को पंगु बना दिया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के सीईओ धमकी दे रहे हैं और एसआईआर में लगे बीएलओ को अनुचित कारण बताओ नोटिस जारी कर रहे हैं। अपने पत्र में उन्होंने लिखा कि प्रशिक्षण में गंभीर कमी और प्रक्रिया के लिए आवश्यक अनिवार्य दस्तावेजों के संबंध में स्पष्टता की कमी के कारण यह प्रक्रिया संरचनात्मक रूप से अस्थिर है। ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में 48 वर्षीय बीएलओ शांति मुनि इक्का की आत्महत्या को असहनीय दबाव का नतीजा बताया।

नीतीश कुमार के सीएम बनने के बाद तेजस्वी यादव ने किया पोस्ट, कहा, नई सरकार जनता से किए वादे पूरे करे

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्सपर एक पोस्ट कर नीतीश कुमार को बधाई

दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं।राजद नेता ने कहा, आशा है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद शपथ लेने वाले अन्य 26 मंत्री में जदयू से विजय चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी (विधान परिषद के सदस्य), सुनील कुमार, लेशी सिंह, मदन सहनी, मोहम्मद जामा खान।

पहलगाम आतंकी हमला एक शिवद्रोही हमला था, अमेरिकी रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर हमला बोला है उन्होंने कहा कि अमेरिका की एक रिपोर्ट में पहलगाम हमले को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है, उसमें लिखा हैं कि पहलगाम आतंकी हमला एक शिवद्रोही हमला था। इतना ही नहीं भारत-पाकिस्तान के चार दिन के संघर्ष को भारत के खिलाफ श्पाकिस्तान की सैन्य सफलताश बताया गया है। जयराम रमेश ने एक्स पर एक अमेरिका की यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन की वार्षिक रिपोर्ट शेयर कर लिखा कि

अमेरिका की यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन ने अभी-अभी अपनी वार्षिक रिपोर्ट अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी है। अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई इस कमीशन में बारह स्वतंत्र सदस्य होते हैं। 2025 की यह वार्षिक रिपोर्ट लगभग 800 पन्नों की है। इसके पेज 108 और 109 में जो लिखा है, वह हैरान करने वाला है और समझ से परे है। 1. इसमें अप्रैल 2025 में पाकिस्तान द्वारा कराए गए पहलगाम आतंकी हमले को शिवद्रोही हमला (पदेनतहमदज ंजजंबा)श्बताया गया है।2. इसमें भारत-पाकिस्तान के चार दिन के संघर्ष को भारत के खिलाफ श्पाकिस्तान की सैन्य सफलताश कहा गया है। राष्ट्रपति ट्रंप अब तक 60 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोक दिया था।

राज्यपाल विधानसभा से पास हुए बिलों को अनंत काल तक अपने पास नहीं लटका सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भेजे गए प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पास हुए बिलों को अनंत काल तक अपने पास नहीं लटका सकते। ऐसा करना संघीय ढांचे को गहरी चोट पहुंचाता है और जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कामकाज को पूरी तरह ठप कर देता है।जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अगुवाई वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल के पास बिल को हमेशा के लिए रोकने का कोई अधिकार

नहीं है। उनके सामने सिर्फ तीन रास्ते हैं। या तो बिल को मंजूरी दे दें, या एक बार पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेज दें, या अगर बिल संविधान की मूल भावना के खिलाफ लगता है, तो उसे राष्ट्रपति के पास भेज दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि बिल को चुपचाप ड्रॉअर में बंद करके रखना संवैधानिक गतिरोध पैदा करता है, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता।संविधान पीठ ने समय सीमा के बाद अपने आप मंजूरी यानी डीम्ड असेंट की मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है और यह शक्ति-पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ होगी। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह खुद आर्टिकल 142 के तहत बिलों को मंजूरी नहीं दे सकता, क्योंकि यह पूरी तरह राज्यपाल और राष्ट्रपति का क्षेत्र है। हालांकि कोर्ट ने राज्यपालों की भूमिका को सिर्फ रबर स्टैंप नहीं माना। उसने कहा कि चुनी हुई सरकार ही गाड़ी की ड्राइवर सीट पर बैठती है, वहां दो लोग नहीं बैठ सकते, लेकिन राज्यपाल का रोल पूरी तरह औपचारिक भी नहीं है। सामान्य मामलों में उन्हें मंत्रिमंडल की सलाह माननी ही पड़ती है पर कुछ खास परिस्थितियों में वे अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एनआईए ने तीन चिकित्सकों और धार्मिक उपदेशक को लिया हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला मैट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट के मामले में एनआईए ने पूछताछ के लिए तीन चिकित्सकों और एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया है। यह जानकारी अधिकारियों की तरफ से दी गई है। बता दें कि दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में कम से कम 12 लोग मारे गए थे, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हुए। यह ब्लास्ट फरीदाबाद में आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के कुछ घंटे बाद हुआ था, जिसमें डॉक्टर मुजम्मिल और शाहीन समेत सात लोगों को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली में चाणक्यपुरी के तीन प्राइवेट स्कूलों को मिली बम की धमकी,ईमेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बृहस्पतिवार सुबह कम से कम तीन निजी स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए, जिसके बाद कई एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल शामिल हैं। अधिकारी ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और अग्निशमन विभाग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और एक सघन तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारी ने बताया, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। हम तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं।

जगन मोहन रेड्डी हैदराबाद में सीबीआई अदालत में पेश

आंध्र प्रदेश (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी करीब छह साल बाद कथित अवैध लेन-देन संबंधी मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुये। वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफमुकदमा लंबित है, जिसमें कथित अवैध लेन -देन मामले में वह मुख्य आरोपी हैं। जगन के खिलाफ 11 आरोप पत्र दायर हैं। ये मामले अलग-अलग कंपनियों द्वारा उनकी फर्मों में किए गए निवेश से जुड़े हैं, जो उनके पिता स्वर्गीय वाई एस राजशेखर रेड्डी के 2004 से 2009 के बीच अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्हें दिए गए अलग-अलग फायदों के बदले में किए गए थे। अदालत ने पहले रेड्डी को यूरोप दौरे से लौटने के बाद 14 नवंबर को खुद पेश होने का निर्देश दिया था। लेकिन, उन्होंने व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए एक याचिका दायर की थी और कहा था कि वह आनलाइन माध्यम से पेश होंगे। सीबीआई के लोक अभियोजक इंद्रजीत संतोषी ने मामले पर बहस करते हुए इसका विरोध किया और कहा कि अदालत के पिछले आदेश के मुताबिक रेड्डी का पेश होना जरूरी है और उन्हें इसका पालन करना चाहिए। इसके बाद, अदालत ने आदेश दिया कि रेड्डी को 21 नवंबर तक खुद कार्यवाही में शामिल होना होगा। अदालती आदेश का पालन करते हुए, रेड्डी बृहस्पतिवार को अदालत के सामने पेश हुए और इन मामलों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। रेड्डी के पेश होने को देखते हुए, अदालत परिसर के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली बार रेड्डी जब जनवरी 2020 में सीबीआई की अदालत में खुद पेश हुए थे, तब वह मुख्यमंत्री थे।

कोहरे में सुरक्षित टेज्न संचालन के लिए 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था

गोरखपुर,: सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा, रेलवे की पहली प्राथमिकता है, इसे सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए निरन्तर प्रयास किया जाता है। सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, इस मौसम में इस क्षेत्र में कोहरे का प्रभावरहता है, जिसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षित टेज्न संचालन के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। सभी प्रकार के सिगनल पोस्टों पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है, सिगनल साइटिंग बोर्ड पर लाइन मार्किंग करा दिया गया है। समपारों पर लगे बैरियर पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है। कोहरे के दौरान सुरक्षित, संरक्षित एवं अपेक्षाकृत तेज टेज्न संचालन में आधुनिक जी.पी.एस. आधारित फॉग सेफ डिवाइस का महत्पूर्ण योगदान है। इस डिवाइस के उपयोग में आने के पूर्व कोहरे के दौरान अधिकतम गति 60 किमी प्रति घंटा अनुमेय थी। जबकी फॉग सेफ डिवाइस के लग जाने के बाद अधिकतम अनुमेय गति 75 किमी प्रति घंटा हो गई अर्थात पहले की तुलना में अब टेज्नें कोहरे के दौरान 25 प्रतिशत ज्यादा गति से चल सकती हैं। इस फॉग सेफ डिवाइस से लोको पायलटों का भरोसा बढ़ा है तथा आगामी सिगनल की जानकारी इस डिवाइस के माध्यम से मिलते रहती है। इससे एक लाभ यह भी मिला है कि अब फॉग सिगनल मैन भेजने की आवश्यकता भी खत्म हुई है। पूर्वोत्तर रेलवे पर कुल 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था की गई है, जिनमें से लखनऊ मंडल में 315, इज्जतनगर मंडल में 250 तथा वाराणसी मंडल में 415 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराये गये है। कोहरे के दौरान पूर्ण ब्लॉक पद्धति एवं स्वचालित ब्लॉक पद्धति में गाडियों के संचालन के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सभी लोको पायलटों एवं सहायक लोको पायलटों की काउसलिंग की गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों में सभी रेल खण्डों पर सभी यात्रियों एवं मालगाड़ियों में फॉग पास डिवाइस का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा कोहरे के पूर्व एवं कोहरे के दौरान सुरक्षित एवं सहज परिचालन सुनिश्चित करने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पटरियों के निगरानी के लिये पेट्रोलिंग की जा रही है। कोहरे में टेज्नों की गति कम होने से लाईन क्षमता कम हो जाती है, जिसके कारण ट्रेनों की संख्या में कमी की जाती है। इस दौरान कम आक्यूपेंसी वाली कुछ टेज्नों को निरस्त किया गया तथा कुछ टेज्नों के फेरे घटाये गये है, जिससे कोहरे के दौरान टेज्नों का सामान्य एवं संरक्षित संचलन हो सके। यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन मौसम में लाइन में क्षमता की कमी एवं परिचालनिक कठिनाइयों के कारण गाड़ियों का रेग्यूलेशन निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

-12583/12584 लखनऊ जं0-आनन्द विहार टर्मिनस-लखनऊ जं0 एक्सप्रेस 02 दिसम्बर,2025 से 15 फरवरी,2026 तक निरस्त रहेगी।

-12595 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस 01 दिसम्बर,2025 से 12 फरवरी,2026 तक निरस्त रहेगी।

-12596 आनन्द विहार टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस 02 दिसम्बर,2025 से 13 फरवरी,2026 तक निरस्त रहेगी।

-15057 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस 04, 11, 18, 25 दिसम्बर,2025 को, 01, 08, 15, 22, 29 जनवरी,2026 को तथा 05 एवं 12 फरवरी,2026 को निरस्त रहेगी।

-15058 आनन्द विहार टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस 03, 10, 17, 24, 31 दिसम्बर,2025 को 07, 14, 21, 28 जनवरी,2026 को तथा 04 एवं 11 फरवरी,2026 को निरस्त रहेगी।

-15059 लालकुंआ-आनन्द विहार टर्मिनस-लालकुआँ एक्सप्रेस 02 दिसम्बर,2025 से 12 फरवरी,2026 तक निरस्त रहेगी।

-12207 काठगोदाम-जम्मूतवी एक्सप्रेस 09, 16, 23 एवं 30 दिसम्बर,2025, 06, 13, 20 एवं 27 जनवरी,2026 तथा 03, 10, 17 एवं 24 फरवरी,2026 को निरस्त रहेगी।

-12208 जम्मूतवी-काठगोदाम एक्सप्रेस 07, 14, 21 एवं 28 दिसम्बर,2025, 04, 11, 18 एवं 25 जनवरी,2026 तथा 01, 08, 15 एवं 22 फरवरी, 2026 को निरस्त रहेगी।

-12209 कानपुर सेन्ट्रल-काठगोदाम एक्सप्रेस 09, 16, 23 एवं 30 दिसम्बर,2025, 06, 13, 20 एवं 27 जनवरी,2026 तथा 03, 10, 17 एवं 24 फरवरी,2026 को निरस्त रहेगी।

जी.एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04668/04667 अमृतसर-सहरसा-अमृतसर विशेष गाड़ी का संचलन अमृतसर से 21 नवम्बर, 2025 को तथा सहरसा से 23 नवम्बर, 2025 को 01 फेरे हेतु किया जायेगा। 04668 अमृतसर-सहरसा विशेष गाड़ी 21 नवम्बर, 2025 को अमृतसर से 20.10 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 20.42 बजे, जलन्धर सिटी से 21.20 बजे, फगवाड़ा से 21.40 बजे, ढंडारीकलां से 22.40 बजे, दूसरे दिन अम्बाला कैण्ट से 00.25 बजे, यमुनानगर जमाधरी से 01.20 बजे, सहारनपुर से 02.20 बजे, मुरादाबाद से 05.35 बजे, बरेली से 06.54 बजे, शाहजहाँपुर से 08.00 बजे, हरदोई से 08.55 बजे, आलमनगर से 10.40 बजे, रायबरेली से 12.35 बजे, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ से 14.10 बजे, वाराणसी से 17.00 बजे, औड़िहार से 17.47 बजे, गाजीपुर सिटी से 18.40 बजे, बलिया से 19.35 बजे, छपरा से 21.10 बजे, सोनपुर से 22.30 बजे, हाजीपुर से 22.55 बजे, शाहपुर पटोरी से 23.45 बजे, तीसरे दिन बछवारा से 00.25 बजे, बरौनी से 01.40 बजे, बेगूसराय से 02.00 बजे, खगड़िया से 02.40 बजे तथा मानसी से 03.00 बजे छूटकर सहरसा 05.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04667 सहरसा-अमृतसर विशेष गाड़ी 23 नवम्बर, 2025 को सहरसा से 07.30 बजे प्रस्थान कर मानसी से 08.35 बजे, खगड़िया से 08.52 बजे, बेगूसराय से 09.25 बजे, बरौनी से 10.10 बजे, बछवारा से 10.34 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.05 बजे, हाजीपुर से 12.10 बजे, सोनपुर से 12.30 बजे, छपरा से 15.10 बजे, बलिया से 16.12 बजे, गाजीपुर सिटी से 17.10 बजे, औड़िहार से 18.00 बजे, वाराणसी से 19.10 बजे, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ से 22.00 बजे, रायबरेली से 23.30 बजे, दूसरे दिन आलमनगर से 02.00 बजे, हरदोई से 03.25 बजे, शाहजहाँपुर से 04.35 बजे, बरेली से 05.40 बजे, मुरादाबाद से 07.25 बजे, सहारनपुर से 10.50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 11.25 बजे, अम्बाला कैंट 12.25 बजे, ढंडारीकलां से 14.20 बजे, फगवाड़ा से 15.10 बजे, जलन्धर सिटी से 15.45 बजे तथा ब्यास से 16.15 बजे छूटकर अमृतसर 17.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 08 तथा जी.एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : परिचालनिक सुगमता हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार एवं विकास के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोंडा-बुढ़वल खंड पर घाघरा घाट-चौकाघाट-बुढ़वल स्टेशन के मध्य (11 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण कार्य हेतु कमीशनिंग के लिये 02 से 05 दिसम्बर, 2025 तक कार्य करने तथा 05 दिसम्बर, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा संरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। इस कार्य के पूरा हो जाने पर इन रेल खण्डों पर तीसरी लाइन की कमीशनिंग की जा सकेगी तथा लाइन क्षमता में वृद्धि होने के साथ ही जनाकांक्षाओं के अनुरूप अधिक यात्री एवं मालगाड़ियां चलाई जा सकेगी तथा गाड़ियों के समयपालन में अपेक्षित सुधार होगा। इन कार्यो हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण निम्नलिखित गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

1.गोंडा से 04 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 55091 गोंडा-सीतापुर सिटी सवारी गाड़ी तथा सीतापुर सिटी से 05 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 55092 सीतापुर सिटी-गोंडा सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

2.गोंडा से 05 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 55094 गोंडा-गोरखपुर सवारी गाड़ी तथा गोरखपुर से 06 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 55073 गोरखपुर-बढ़नी सवारी गाड़ी निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन-

1.तिरुवनन्तपुरम उत्तर से 02 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 12512 तिरुवनन्तपुरम उत्तर-गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी गोंडा स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

2.अमृतसर से 03 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रोजा-सीतापुर-गोंडा-गोरखपुर-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी मैंगलगंज, सीतापुर सिटी, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

3.छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 03 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी गोंडा स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

4.अमृतसर से 01 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रोजा-सीतापुर-बुढ़वल-गोंडा-मनकापुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीतापुर एवं गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

5.जम्मूतवी से 03 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15652 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

6.सर. एम. विश्वेश्वरय्या बेंगलुरू से 01 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 06529 सर. एम. विश्वेश्वरय्या बेंगलुरू-गोमतीनगर विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग मनकापुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मनकापुर-अयोध्या कैंट-बाराबंकी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी गोंडा स्टेशन पर नहीं रूकेगी।

7.गोरखपुर से 04 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गोरखपुर-बढ़नी-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-बस्ती-मनकापुर-अयोध्या कैंट-बाराबंकी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी आनन्द नगर, सिद्धार्थनगर, शोहरतगढ़, बढ़नी, तुलसीपुर, झारखण्डी, बलरामपुर एवं गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वीं शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष ट्रेनों का संचालन

गोरखपुरः भारतीय रेल श्री गुरु तेग बहादुर जी–सिखों के नौवें गुरु, तथा हिंद दी चादर–की पावन शहादत को नमन करते हुए विशेष ट्रेनों की एक श्रृंखला चलाने जा रही है। यह सूचना देते हुए रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की सर्वोच्च शहादत सत्य, न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का अमर संदेश है। भारतीय रेल इस पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा को सहज, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। श्री रवनीत सिंह ने बताया कि भारतीय रेल श्री आनन्दपुर साहिब और दिल्ली की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन करेगी। ये ट्रेनें बड़े पैमाने पर यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए अधिकतम सुविधा और सहजता सुनिश्चित करेंगी।

1. पटना साहिब विशेष ट्रेन (सभी श्रेणी)

22 कोच वाली यह विशेष ट्रेन 23 नवंबर को सुबह 6:40 बजे पटना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 4:15 बजे आनन्दपुर साहिब पहुँचेगी।

वापसी यात्रा 25 नवंबर को रात 9:00 बजे आनन्दपुर साहिब से शुरू होगी और उसी दिन रात 11:30 बजे पुरानी दिल्ली पहुँचेगी।

मार्ग में लखनऊ, मुरादाबाद और अम्बाला स्टेशनों पर ठहराव होगा।

2. पुरानी दिल्ली विशेष ट्रेन (सभी एसी)

यह 17 कोचों वाली विशेष सेवा 22, 23, 24 और 25 नवंबर को प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे पुरानी दिल्ली से चलेगी और दोपहर 1:45 बजे आनन्दपुर साहिब पहुँचेगी।

वापसी यात्रा प्रतिदिन रात 8:30 बजे आनन्दपुर साहिब से प्रारंभ होकर सुबह 3:15 बजे दिल्ली पहुँचेगी।

दोनों दिशाओं में ट्रेन सोनीपत, पानीपत, कुरुक्षेत्र, अम्बाला, सरहिंद और न्यू मोरिंडा स्टेशनों पर रुकेगी।

श्री रवनीत सिंह ने कहा कि ये विशेष ट्रेनें श्रद्धालुओं की यात्रा को सुरक्षित, आरामदायक और सुलभ बनाने के भारतीय रेल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं। भारतीय रेल गुरु तेग बहादुर जी की अमर विरासत को नमन करते हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए सेवा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर साथ में अध्यक्ष/नरवो श्रीमती मनीषा बोरवणकर

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग के तत्त्वावधान में 17 से 20 नवम्बर, 2025 तक रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में आयोजित अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 के अन्तिम दिन 20 नवम्बर, 2025 को महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन (नरवो) की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा बोरवणकर रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर तथा अध्यक्ष/नरवो श्रीमती मनीषा बोरवणकर ने दीप प्रज्ज्वलित एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। गणेश वंदना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आरम्भ हुआ। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, नरवो की सदस्यायें तथा भारी संख्या में रेल कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि आज पूर्वोत्तर रेलवे के कलाकारों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुति से हम सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस रेलवे में ऐसे प्रबुद्ध कलाकार हैं, जिनमें काफी प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे भौगोलिक एवं कला दोनों दृष्टि से भारत तथा भारतीय रेल का कौस्तुभ मणि है। महाप्रबन्धक ने बनारस घराने के कलाकारों की प्रशंसा की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में नाट्य, संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में कलाकारों ने उच्च स्तर का प्रदर्शन किया। इस दौरान श्री बोरवणकर ने मुख्यालय, गोरखपुर की प्रस्तुति ह्यप्रेशरह्य नाटक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। महाप्रबन्धक ने कहा कि व्यक्ति में सम्पूर्ण व्यक्तित्व के लिये किसी भी प्रकार की कला का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में रेलवे प्रशासन हर तरह से सहयोग करने के लिये प्रतिबद्ध है। इसके पूर्व, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने सम्बोधन में कहा कि इस अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में नाट्य, संगीत, नृत्य, वाद्य की विभिन्न विधाओं का आयोजन किया गया। इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम से संस्कृति की पहचान होती है और उनका हमारे जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि संगीत, वाद्य, नाटक आदि मानसिक एवं भावनात्मक रूप से शांति की अनुभूति कराते हैं।

सपा विधायक के अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

मऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह के अंतिम दर्शन के लिए बृहस्पतिवार को घोसी स्थित उनके आवास पर हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हैं। मऊ जिले की चर्चित घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक सुधाकर सिंह का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। सुधाकर सिंह के अंतिम दर्शन के लिए भारी संख्या में लोग शामिल हुए हैं। पूर्व राज्यपाल फागू चौहान अपने बेटे मधुबन विधायक राम विलास चौहान के साथ पहुंचे हैं। वहीं बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र और एसपी इलामारन जी खुद मौके पर पहुंचे हैं। घोसी के अलावा मधुबन थाने की पुलिस फोर्स के साथ जगह- जगह तैनात सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सुधाकर सिंह के बेटे डॉक्टर सुजीत ने बताया कि अन्य परिवार के सदस्यों की तरह दोहरीघाट मुक्तिधाम पर पिता का अंतिम संस्कार होगा।

संक्षिप्त खबरें

खंभे पर कार्य करते समय उतरा करंट संविदा कर्मचारी झुलसा

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के बख्सर गांव में 11 केवी लाइन का फाल्ट ठीक करते समय अचानक करंट उतर आया। जिससे खंभे पर चढ़कर मरम्मत कार्य कर रहे संविदा लाइन मैन बुरी तरह झुलस गया। स्थिति गंभीर होने पर साथी कर्मचारियों ने आनन- फानन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। पूरे घटनाक्रम में विभागीय जिम्मेदार अपना पक्ष देने से बचते नजर आए। विद्युत सुरक्षा एवं आपूर्ति बेहतर बनाने के दावे चाहे जितने हो लेकिन, यह अक्सर फेल होते नजर आ रहे हैं। बुधवार को खंभे पर चढ़कर मरम्मत कार्य कर रहे संविदा लाइन मैन की करंट की चपेट में आने से गंभीर होने पर एक बार फिर विभागीय लापरवाही सामने आई। नगर बाजार उपकेंद्र के ओठगनपुर फीडर से जुड़े 11 केवी लाइन में फाल्ट आ गया था। जिसे नगर थाना क्षेत्र के बख्शर गांव में ठीक करने मरम्मत टीम पहुंची। इस दौरान संविदा लाइन मैन सचिन सिंह 35 उपकेंद्र से शटडाउन लेने के बाद खंभे पर चढ़ा और लाइन ठीक करने लगा। इसी बीच 11 केवी के दौड़ाए गए तार में करंट आ गया। जिससे अचानक सचिन झुलसने लगा। वहां मौजूद कर्मचारी भी हादसा देख अवाक रह गए। वह खंभे पर से अचेत होकर नीचे गिर गया। सचिन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। सचिन मूलतः सुलतानपुर जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

शोरूम में हिसाब करवाने आया, 30 लाख का ट्रक लूटकर भागा

बस्ती। थाना नगर क्षेत्र के पुरैना कटया स्थित एसपी ऑटोह्वील्स प्राइवेट लिमिटेड के शोरूम में मंगलवार की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब हिसाब-किताब कराने पहुंचे एक व्यक्ति ने मौके का फायदा उठाकर करीब 30 लाख रुपए कीमत का टाटा 5532 ट्रक लेकर भाग गया। एजेंसी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भृगुनाथ त्रिपाठी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि कलवारी थानाक्षेत्र के लोनहा निवासी प्रदीप चौधरी मंगलवार को दोपहर पुरानी गाड़ी का हिसाब कर बाहर निकले। डिलीवरी के लिए अंदर खड़े नए ट्रक चेचिस पर प्रदीप चौधरी चढ़ गया और उसे स्टार्ट कर गेट की ओर बढ़ गया। गेट पर गार्ड ने रोकने की कोशिश की तो आरोपी ट्रक से उतरकर खुद गेट खोलने लगा और कथित तौर पर गोली मारने की धमकी देते हुए मां-बहन की गालियां बकते हुए ट्रक लेकर निकल गया। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोरूम प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। एसओ विश्वमोहन राय ने बताया कि केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

वारंटी की खुदकुशी केस में सीतापुर जेल से जमानत पर था केसरी

कप्तानगंज (बस्ती)। संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकते मिले पुलिस आरक्षी केसरी नंदन वर्मा का अतीत भी चर्चा में है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2003 में सीतापुर जिले में उसकी तैनाती के दौरान एक वारंटी की पुलिस अभिरक्षा में मौत होने का मामला उनके खिलाफ दर्ज हुआ था। आरोप था कि वारंटी को चौकी पर लाकर एक कमरे में बंद किया गया था, जहां उसने रात में फांसी लगा ली थी। इस मामले में केसरी नंदन वर्मा सहित कई पुलिसकर्मियों पर केस चला। मामला सीतापुर सिविल कोर्ट में वर्षों तक लंबित रहा। वर्ष 2024 में अदालत ने उसे दोषी करार दिया, जिसके बाद उसे कई महीनों तक सीतापुर जिला जेल में रहना पड़ा। जेल से रिहा होने के बाद से ही वे निलंबित चल रहा था। अप्रैल 2025 में उसे बेल मिली और वे गांव लौट आया।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

छावनी। थाना क्षेत्र के एकमा हिरनियां गांव निवासी 28 वर्षीय नान्हू का मंगलवार की देर रात फंदे से लटका शव मिला। आसपास के लोगों की मानें तो युवक पारिवारिक तनाव से परेशान था। परिवार वालों के अनुसार, सुबह देर तक बेटे के कमरे का दरवाजा बंद था। अनहोनी की आशंका में खिड़की से झांककर देखा गया तो वह कुंडे से फंदे के सहारे लटक रहा था। परिवार वालों ने दोपहर में शव का सरयू घाट पर दाह संस्कार कर दिया। थानेदार जनार्दन प्रसाद ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिलने तक शव का दाह संस्कार हो चुका था। तहरीर नहीं मिली है।

फील्ड ऑफिसर ने हड़पी 32 महिलाओं की किस्त

बस्ती। मिडलैंड माइक्रो फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, बड़ेबन शाखा में महिलाओं की किस्त राशि गबन करने के आरोप में दो कर्मचारियों समेत एक अज्ञात व्यक्ति पर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज हुई है। न्यायालय के आदेश पर दर्ज एफआईआर की तहरीर आंबेडकरनगर के आलापुर थाने के सुलेमानपुर उर्फ वीरपुर निवासी सौरभ मिश्रा ने दी। अयोध्या जिले के इनायतनगर थाने के घुरेहटा निवासी आशीष कुमार मिडलैंड माइक्रो फाइनेंस कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत था। एक अज्ञात व्यक्ति के सहयोग से उसने शाखा क्षेत्र की 32 महिलाओं से वसूले गए तीन लाख एक हजार 758 रुपये जमा नहीं किया है। आरोप है कि फील्ड स्टाफ ने पद का दुरुपयोग करते हुए पूरी रकम हड़प ली।

गार्ड तीमारदारों से कर रहे बदसलूकी

बस्ती। मेडिकल कॉलेज में तैनात सुरक्षा गार्ड मरीज और तीमारदारों के साथ बदसलूकी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। तीमारदारों से अक्सर अभद्रता किए जाने का मामला मेडिकल कॉलेज प्रशासन के पास पहुंच रहा है। लेकिन, कोई ठोर कार्रवाई नहीं की जा रही है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज से संबंद्ध ओपके चिकित्सालय कैली में पिकौरा बक्स की रहने वाली एक महिला सीजर से प्रसव कराया गया। बुधवार को उनके परिवार के लोग देखने पहुंचे। महिला के तीमारदार सुजीत का आरोप है कि वार्ड के बाहर खड़े गार्ड उनके घर वालों से अभद्रता करने लगे। अपशब्द का प्रयोग करते हुए उन्हें अपमानित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा गार्ड का व्यवहार अशोभनीय रहा। मेडिकल कॉलेज के उप प्रधानाचार्य डॉ. अनिल यादव ने कहा कि सुरक्षा गार्ड का मूल कार्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट रहना है। अगर वह तीमारदारों से अभद्रता कर रहे हैं, तो जांच कराई जाएगी। यदि कोई गार्ड दोषी पाया गया तो सैनिक कल्याण निगम को पत्र लिखा जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका के भरे जाएंगे पद, सुधरेगी व्यवस्था

बस्ती। बाल विकास परियोजना में खाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पद भरे जाएंगे। इससे पोषाहार वितरण और शिक्षण कार्य की गुणवत्ता में सुधार आएगा। पहले चरण में आंगनबाड़ी सहायिका के आठ सौ से अधिक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 16 पद भरे जाएंगे। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दिसंबर 2025 तक चयन की प्रक्रिया पूर्ण होने की उम्मीद है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं के बाद सहायकाओं की नियुक्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। जनपद में सहायिका के 899 पदों पर भर्ती होनी है। दो दिसंबर तक फॉर्म भर सकते हैं। योग्यता सूची के आधार पर सहायिकाओं का चयन होगा। इसमें संबंधित गांव की ही महिला को आवेदन करना होगा। सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने बताया कि निराश्रित, दिव्यांग महिला को वरीयता दी जाएगी। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता कक्षा 12 है व आवेदक की उम्र 18 से 35 वर्ष तक होनी चाहिए। ऑनलाइन आवेदन के बाद दस्तावेजों की जांच की जाएगी, फिर योग्यता सूची बनाई जाएगी। डीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि किसी भी दलाल के चक्कर में न पड़ें। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है। अगर नंबर अधिक हैं तो चयन आपका ही होगा। किसी के बहकावे में न आएं।

'भारत में इस्राइल की कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर', बोले केंदीय मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली/तेल अवीव (एजेंसी)। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-इस्राइल व्यापारिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इस्राइल के आधिकारिक दौरे पर गया है। गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ इस्राइल पहुंचे हैं। गोयल और इस्राइल के अर्थव्यवस्था मंत्री नीर बरकत ने अपने-अपने संबोधन में क्या-क्या कहा, भारत, इस्राइल की कंपनियों के लिए निवेश और साझेदारी के व्यापक अवसर उपलब्ध करा रहा है। भारत के वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को अपने इस्राइल दौरे पर यह बात कही। गोयल ने कहा कि दोनों देश उद्योग के बुनियादी ढांचा विकास, विनिर्माण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्य-उन्मुख क्षेत्रों में सहयोग को और तेज कर सकते हैं।

फिक्की फ्लो द्वारा गवर्निंग बॉडी की बैठक और तीन दिवसीय अन्तर्राज्यीय सम्मेलन का आयोजन

पूनम शर्मा और आभा डालमिया ने किया मीना बाजार का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। फिक्की फ्लो लखनऊ द्वारा तीन दिवसीय अन्तर्राज्यीय सम्मेलन का प्रारंभ गोमती नगर स्थित होटल ताज में किया गया। यहां पहले दिन मीना बाजार का आयोजन किया गया। मुगलकाल में शहर में प्रमुख बाजारों की एक गली को लेकर वहां मीना बाजार लगाया जाता था। इसी बात को ध्यान में रख कर फिक्की फ्लो ने आज होटल ताज में मीना बाजार नामक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में भाग लेनें के लिए फिक्की फ्लो ने पूरे देश से फिक्की फ्लो के सभी चौप्टर से लगभग 500 सदस्यों और पदाधिकारियों को आमंत्रित किया है और इसे अपने वर्षिक अन्तराज्यीय बैठक का स्वरूप दिया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा, फ्लो की संस्थापक अध्यक्ष आभा डालमिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा गर्ग, लखनऊ चौप्टर की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल, रश्मि सरिता और गवर्निंग बॉडी मेंबर्स ने किया। बांसुरी के मधुर संगीत और जगमगाती रोशनियो और आकर्षक स्टालो पर देश भर से आए सदस्यों ने जमकर खरीददारी की। साडी, सूट, लहंगा, शरारा, गेरूआ, दुपट्टा और स्टोल के स्टाल विशेष रूप से आगन्तुको को आकर्षित कर रहे थे। इस सभी स्टालो में उत्तर प्रदेश की सभी प्रकार की हस्तकला जैसे मुकेश से लेकर चिकनकारी तक, बनारसी साडियो से लेकर जरदोजी, टिल्ला और पिट्टा का काम विशेष रूप से इस प्रदर्शनी में देखने को मिला इसके अलावा बाजार में नाजुक चप्पल और जूती, पोटली और अन्य आकर्षक घरेलू उत्पाद उत्तर प्रदेश के स्थानीय कारीगरों की कला को भी प्रदर्शित किया गया। इस मीना बाजार में अवध के अल्पज्ञात दुर्लभ आभूषणों का भी प्रदर्शन किया गया। फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम शर्मा ने कहा कि अंतरराज्यीय बैठक हमारे गतिशील अखिल भारतीय सदस्यों के प्रदर्शन, परामर्श और नेटवर्किंग साझा करने के अनुभव के लिए एक सामान्य मंच है। हमारा उद्देश्य पूरे भारत के दिल्ली सहित 21 अध्यायों से महिला उद्यमियों और पेशेवरों को एक साथ लाना है, विचारों के आदान-प्रदान और मन की बैठक के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करना है। हमारा प्रयास नेतृत्व करने के लिए बुद्धि विकसित करना है साथ ही महिलाओं के लिए मजबूत आवाज के रूप में एक साथ आना है। इस प्रदर्शनी के बारे में बताते हुए फिक्की फ्लो लखनऊ चौप्टर की चेयर पर्सन वंदिता अग्रवाल ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि लखनऊ इस बार फिक्की फ्लो के वार्षिक अंतराज्यीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हम स्थानीय कला और कारीगरो की प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। हमारा उद्देश्य यह है कि देशभर से आए फिक्की फ्लो के सदस्यो के माध्यम से हमारे प्रदेश की कला का देश में प्रचार हो। और यह हमारे लिए बहुत ही गर्व और संतोष का अनुभव रहा है। इस प्रदर्शनी में 40 स्टाल लगे। इस दिन को यादगार बनाने के लिए शाम में दास्तान गोई का आयोजन हुआ जिसमें लखनऊ के स्टोरी टेलर हिमांशु बाजपेयी ने अपनी बेहतरीन कहानी सुनाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। आज के दिन का अंत राग रंग रूह के साथ हुआ, जिसमें कथक डांस और म्यूजिक का एक शानदार अनुभव हुआ, जिसमें बहुत टैलेंटेड अनुज मिश्रा ने अपनी परफॉर्मेंस में लखनऊ के कल्चर और ताल की आत्मा को दिखाया। इस अवसर पर ज्योत्सना हबीबुल्ला, अंजू नारायण, आरुषि टंडन, स्वाति वर्मा, विभ सिमरन साहनी, शमा गुप्ता, स्मृति गर्गऔर वनिता यादव उपस्थित थे।

मायावती ने बिहार में पार्टी कार्यकताओं पर की पुलिस कार्रवाई को बताया गंभीर मुद्दा, सरकार से की निष्पक्ष जांच की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में पार्टी कार्यकताओं पर कथित पुलिस कार्रवाई को गंभीर मुद्दा बताते हुए प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान

यह तथ्य सामने आया कि 14 नवंबर को मतगणना वाले दिन विपक्षी दलों और असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर उत्पात कराया गया था।सुश्री मायावती ने आरोप लगाया कि इस दौरान नव-निर्वाचित बसपा विधायक सतीश यादव की गाड़ी के साथ-साथ प्रशासन की कई गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। बसपा अध्यक्ष के अनुसार, हालात को नियंत्रित करने के नाम पर पुलिस ने रात में लाठीचार्ज किया, जिसमें बसपा के कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए।उन्होंने कहा कि घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने दबाव में आकर बसपा के लगभग 250 कार्यकताओं और करीब 1000 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की, जबकि वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस केवल बसपा कार्यकताओं को परेशान कर रही है, जबकि पहले घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और उसके बाद ही कोई कानूनी कदम उठाया जाना चाहिए।बसपा अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी की मांग है कि इस पूरे मामले की सही और निष्पक्ष जांच कराई जाए। जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक किसी भी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई उचित नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि बिना जांच के बसपा कार्यकताओं पर कार्रवाई करना अन्यायपूर्ण है और पार्टी इसे स्वीकार नहीं करेगी।

चारबाग रेलवे स्टेशन पर कुलियों का प्रदर्शन,पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कुलियों ने प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि आए दिन उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई साल से लगातार मुद्दा उठा रहे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। प्रदर्शन राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले किया गया। कुलियों ने मांग रखी कि 2008 की तरह उन्हें भी नौकरी दी जाए। स्टेशन पर बैटरी वाली कार का संचालन गलत तरीके से करने पर रोक लगाई जाए। इन पर लोगों का सामान ढोया जा रहा है। इन कारों से केवल दिव्यांग और बीमार लोगों को ही सुविधा दी जाए। कुली एसोसिएशन के पदाधिकारी सुरेश यादव ने कहा रेल मंत्रालय के आदेशों को स्टेशन प्रशासन नहीं मान रहा है। रेलवे बोर्ड की ओर से बच्चों के एजुकेशन, गेस्ट हाउस और मेडिकल जैसी मूलभूत सुविधाएं पॉलिसी में हैं।

लेकिन, इन्हें लागू नहीं किया जा रहा। दिव्यांग लोगों के लिए ई-रिक्शा की व्यवस्था स्टेशन है, लेकिन इसमें सभी तरह के यात्रियों को सुविधा दी जा रही। इससे कुलियों के सामने नौकरी जाने का संकट खड़ा हो गया है। बोर्ड की पॉलिसी के अनुसार काम होने चाहिए, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। कई जगहों पर बैटरी रिक्शा मनमाने चलाए जा रहे हैं। इस कारण कुलियों को समस्या हो रही है। इसका विरोध करने पर हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाता है। कुली अरुण कुमार ने कहा हमारे पिताजी के समय में 2008 में उन्हें समायोजित किया गया था। उसी तरह हमें भी चाहे ग्रुप-डी में ही समायोजित कर लिया जाए लेकिन समायोजित करें। यहां स्टेशन पर बैटरी कार चलती है जिसमें लोग अपना सामान ले जाते हैं। इस वजह से हमें काम नहीं मिलता।बैटरी कार केवल शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए इस्तेमाल की जानी चाहिए। उसमें चलने में समर्थ लोगों को भी ले जाया जा रहा है। साथ ही साथ उनका सामान भी चला जाता है।

एसआईआर में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : डीएम

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के पड़ोसी जिला बाराबंकी में चल रहे विशेष प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियानद्द2026 एसआईआर की समीक्षा करते हुए डीएम, जिला निर्वाचन अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा, लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं कि जायेगी। ड्यूटी के प्रति उदासीनता, गणना प्रपत्रों के वितरण में लापरवाही तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अवहेलना के मामलों पर गंभीर चिंता और नाराजगी जताई। डीएम के निर्देश पर 3 बीएलओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया और 82 बीएलओ का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं।डीएम ने कहा कि निर्वाचन कार्य राष्ट्रीय दायित्व है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं। आवश्यकता पड़ने पर निलंबन से लेकर विभागीय कार्रवाई तक की जाएगी।विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में ड्यूटी में रुचि न लेने और लापरवाही बरतने पर तीन बीएलओ निलंबित किए गए हैं। सीमा वर्मा स.अ.पूर्व माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव विकासखंड मसौली, देवाशीष स.अ. कम्पोजिट विद्यालय कमियार, विकासखंड पूरेडलई और अनीता रावत स.अ. प्राथमिक विद्यालय बघौरा, विकासखंड मसौली को सस्पेंड किया गया है।इसके साथ ही 20 शिक्षामित्र,44 सहायक अध्यापक तथा 18 अनुदेशक का भी वेतन भी रोक दिया गया है। डीएम शशांक त्रिपाठी ने मतदाताओं से अपील की है कि मतदाता गणना प्रपत्र को सही-सही भरकर समय पर संबंधित बीएलओ को अवश्य जमा करें, जिससे किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, पर्यवेक्षकों और सभी बीएलओ से भी अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग देने की अपेक्षा की है।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा 6 दिसम्बर को

लखनऊ (संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त त्रिदंडी महासभा ने आगामी छह दिसम्बर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में शौर्य दिवस मनाने की घोषणा की है। आज यहां कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने शौर्य दिवस की जानकारी देते हुए बताया कि छह दिसम्बर को संगठन के कार्यकर्ता श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर देहरी पूजन के साथ जलाभिषेक कर शौर्य दिवस मनायेगें। श्री त्रिवेदी ने बताया कि शौर्य दिवस कार्यक्रम की सफलता के लिये तैयारियां शुरू करने के साथ ही संगठन के सभी इकाइयों के अध्यक्षों को निर्देशित कर दिया गया है कि अधिक से अधिक कार्यकताओं के साथ मथुरा पहुंचे। इसके अलावा हिन्दू जनमानस से भी आग्रह किया गया है कि शांतिपूर्ण ढंग से होने जा रहे इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो। कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये श्री त्रिवेदी ने बताया कि अखण्ड आर्यावर्त त्रिदंडी महासभा सहित विभिन्न हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकताओं का पांच दिसंबर से मथुरा पहुंचना शुरू हो जाएगा और अगले प्रातः नौ बजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर सभी कार्यकर्ता पहुंचकर देहरी पूजन के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर जलाभिषेक कर शौर्य दिवस मनायेगें। वहीं दूसरी ओर शौर्य दिवस की घोषणा होने के साथ प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमौलि शुक्ला ने संगठन के विभिन्न इकाइयों के अध्यक्षों और महामंत्री की बैठक बुलायी है, ताकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक मनाने के लिये रणनीति तैयार की जा सके।

अब हर विद्यालय में होंगे कम से कम दो शिक्षक

बच्चों की पढाई में आयेगा सुधार, शिक्षकों का घटेगा वर्क लोड

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लाखों बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर आई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में न्यूनतम दो शिक्षकों की तैनाती अनिवार्य कर दी है। बेसिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेश के बाद यह नई व्यवस्था लागू हो गई है। इस फैसले से वे सभी स्कूल, जहाँ अब तक केवल एक ही शिक्षक पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे थे, एक अतिरिक्त शिक्षक प्राप्त कर सकेंगे। इससे न सिर्फ शिक्षकों का बोझ कम होगा बल्कि बच्चों को पढ़ाई पर बेहतर ध्यान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का लाभ मिलेगा।राज्य के कई प्राइमरी स्कूलों में लंबे समय से केवल एक शिक्षक पर सभी कक्षाओं और कार्यों की जिम्मेदारी होती थी। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, अलग-अलग कक्षाओं की पढ़ाई संभालना मुश्किल हो जाता था, स्कूल के प्रशासनिक कार्य भी समय पर नहीं हो पाते थे। दो शिक्षक होने पर कक्षाओं को विभाजित करना आसान होगा और बच्चों को विषय अनुसार बेहतर समय मिल सकेगा। एक शिक्षक पूरी कक्षा को संभालने की बजाय अब शिक्षक अपनी-अपनी क्लास और विषय पर ज्यादा समय दे पाएंगे। कमरों में भीड़ कम होगी और सीखने की प्रक्रिया सुगम बनेगी।एकल शिक्षक वाले स्कूलों में अध्यापकों को पढ़ाई के अलावा मध्याह्न भोजन, रजिस्टर, अभिलेख, सर्वे आदि कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ती थीं। अब दो शिक्षकों में काम बंटेगा, जिससे पढ़ाई पर अधिक फोकस हो सकेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने पर बच्चे स्कूल से जुड़े रहेंगे। प्राथमिक शिक्षा में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस आदेश के बाद अभिभावकों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के कई ऐसे स्कूल, जहाँ वर्षों से एक ही शिक्षक काम कर रहे थे, अब शिक्षण व्यवस्था में बदलाव देख पाएंगे।

गली मोहल्ला क्रिकेट लीग जीएमसीएल ने उत्तर प्रदेश चौप्टर लॉन्च किया

लखनऊ (संवाददाता)। गली मोहल्ला क्रिकेट लीग (जी एम सी एल) तेजी से एक नेशनल मूवमेंट बन रहा है, जो पूरे भारत के युवाओं को घरेलू और इंटरनेशनल, दोनों तरह के क्रिकेट में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए बहुत अच्छे मौके दे रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद (जी एम सी एल) उत्तर प्रदेश स्टेट के वर्किंग कमेटी मेंबर्स में सरदार इंद्रप्रीत सिंह, फाउंडर, (जी एम सी एल), राकेश रस्तोगी, उत्तर प्रदेश, कॉरिडोरेटर, सत्य प्रकाश गुलेरिया, एस के गोपाल, अमन सूर्यवंशी, धीरज शर्मा, शुभम कश्यप और नीरज शर्मा शामिल थे।इस पहल के बारे में बात करते हुए, जी एम सी एल के फाउंडर बाबा इंदर प्रीत सिंह ने कहा, जी एम सी एल एक अनोखा प्लेटफॉर्म है जहाँ दूर-दराज के गांवों के भी युवा लड़के और लड़कियां ग्लोबल स्टेज पर अपना क्रिकेट टैलेंट दिखा सकते हैं। हमारा विजन है कि उभरते हुए खिलाड़ी फाइनेंशियल या ज्योग्राफिकल रुकावटों के बावजूद प्रोफेशनली क्रिकेट खेल सकें। भारत के सबसे बड़े ग्रासरूट-लेवल टेनिस बॉल बॉक्स-क्रिकेट टूनार्मेंट में से एक के तौर पर पहचाने जाने वाले जी घ्म सी एल, उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में फेज 1 मैच शुरू करेगा। हर जिले से 16 टीमें लीग मैचों में मुकाबला करेंगी, जिसके बाद डिस्ट्रिक्ट-लेवल के विजेता सुपर 8 स्टेट टीमें बनाएंगे, जो यु पी स्टेट चौंपियनशिप के लिए मुकाबला करेंगी। लीग के कामकाज की देखरेख के लिए एक डेडिकेटेड स्टेट कोर कमेटी बनाई जा रही है, और राज्य के ऑफिशियल लॉन्च के मौके पर जल्द ही मुजफ्फरनगर में एक एग्जीबिशन मैच होने वाला है। यह लीग युवाओं के लिए एक बड़ा मौका साबित हो रही है द्द खासकर उन लोगों के लिए जो फाइनेंशियली चौलेंज्ड बैकग्राउंड या दूर-दराज के इलाकों से हैं। जो नेशनल और इंटरनेशनल दोनों लेवल पर पहचान, कमाई और एक्सपोजर दे रहे हैं।(जी एम सी एल) को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फेज 1 में, लीग इंटरनेशनल लेवल पर भी बढ़ेगी, और पाँच देशों में मैच कराएगीरू मी ना रीजन, हांगकांग, मलेशिया, सिंगापुर और नेपाल। अपनी बढ़ती पहुंच और सबको साथ लेकर चलने वाले विजन के साथ, गली मोहल्ला क्रिकेट लीग जी घ्म सी एल पहली बार जमीनी स्तर पर बेमिसाल मौके देकर युवा क्रिकेट में क्रांति लाने के लिए तैयार है।

लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी पर मुकदमे पर रोक बढ़ी,भारत जोड़ो यात्रा में आर्मी पर किया था कमेंट

लखनऊ (संवाददाता)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रहे मानहानि मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कोई ढील नहीं दी है। कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश को बरकरार रखते हुए मुकदमे की कार्यवाही पर लगी रोक 4 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है। मामला 2022,23 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के भारतीय सेना को लेकर कथित तौर पर दिए गए बयान से जुड़ा है। उसके आधार पर उनके खिलाफ लखनऊ में आपराधिक मानहानि का केस दर्ज किया गया था। महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने मामले की सुनवाई को स्थगित करते हुए कहा कि अंतरिम रोक जारी रहेगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई अब 4 दिसंबर 2025 को होगी। तब तक राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की अदालत में चल रही कोई भी कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट इससे पहले 4 अगस्त को भी इस केस में बड़ा हस्तक्षेप कर चुका है, जब उसने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की ट्रायल प्रक्रिया को रोकते हुए कहा था कि मामले की पृष्ठभूमि और बयान के संदर्भ की कानूनी जांच जरूरी है। 2022 में शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने एक जनसभा में भारतीय सेना के बारे में एक टिप्पणी की थी।

पत्नी ने पति पर दर्ज करवाया मुकदमा, दोस्तों के साथ गलत काम करवाया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक महिला ने अपने ही पति पर दहेज की डिमांड पूरी नहीं होने पर निजी तस्वीरें वायरल करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि पति आए दिन उसे गंदी-गंदी गालियां देता है। छोटी-सी बात पर मारपीट कर घर से बाहर निकाल देता था। इस मामले में पीड़ित ने वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वजीरगंज निवासी महिला ने बताया कि 2022 में उसकी शादी काकोरी निवासी मोहम्मद जहांगीर से हुई थी। शादी के कुछ समय के बाद से ही पति दहेज की डिमांड करने लगा। गंदी-गंदी गाली देने लगा। विरोध करने पर मारपीट करने के साथ शारीरिक और मानसिक तौर कर प्रताड़ित करने लगा। कोई काम नहीं करता था पूरा दिन घर पर रहता है। काम करने के लिए बोला तो मुझे घर से निकाल दिया। धीरे धीरे करके जो समान शादी के समय मिला था उसको बेचकर वो शराब पी गया। महिला ने बताया कि पति देर रात नए-नए दोस्तों को कमरे पर बुलाता था। पीड़िता को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला देता था, जिसके बाद वह बेसुध हो जाती थी। होश खोने के बाद पति अब्दुल्ला अपने दोस्तों से अनैतिक कार्य करवाता था। जब महिला ने विरोध किया, तो पति ने अश्लील मैसेज भेजकर उसे निजी तस्वीरें वायरल करने की धमकी दे डाली। पीड़ित के मुताबिक आरोपी पति का भांजा वाहिद उन पर गंदी नीयत रखता है। जब इसके बारे में पति को बताया तो वो उल्टा मुझे ही गाली देने लगे। गर्भवती होने पर पति ने उसे जान से मारने की धमकी दी। यह बच्चा मेरा नहीं है कहकर जबरन गर्भपात की दवा खिलाई गई। दवा के बाद महिला की हालत गंभीर होने पर मायके छोड़ दिया। फिर घर बेचकर आए कैसे से शराब पी लिया। परेशान होकर पीड़िता मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर पुलिस आयुक्त तक न्याय की गुहार लगाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वजीरगंज थाना पुलिस ने पति मोहम्मद जहांगीर खां उर्फ अब्दुल्ला और उसके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

ताजा खबर...

बाइक सवार युवक पर चढ़ा लोडर, हालत गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके में बुधवार रात एक तेज रफ्तार लोडर बाइक सवार युवक पर पीछे से चढ़ गया। युवक लोडर के नीचे फंस गया जिससे वह करीब 50 मीटर घिसटते चला गया। युवक की पहचान सादुल्लानगर निवासी किसान रामआसरे के बेटे अमन (22) के रूप में हुई है। उसे चिनहट के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बंथरा के बनी-मोहान रोड पर बेंती के पास हुई। लोडर वाहन ने अमन की बाइक को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि मोटरसाइकिल लोडर के नीचे फंसकर घिसटती चली गई। अमन बुधवार रात अपने घर से उन्नाव के सोहरामऊ स्थित एक निजी कंपनी में ड्यूटी पर जा रहा था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने अमन के परिजनों को सूचित किया और उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से चिकित्सकों ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, लेकिन परिजनों ने उसे चिनहट में शहीद पथ रोड कामता स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे के बाद लोडर चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। बंथरा पुलिस ने लोडर वाहन को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक का पता लगाने में जुटी है।

खून से लथपथ मिला 24-साल के रिकवरी एजेंट का शव, भाई ने कहा हत्या की गई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में खून से लथपथ रिकवरी एजेंट का शव मिला है। वह किसी का कॉल आने के बाद घर से निकला था। कुछ देर में घर वालों को सूचना मिली कि लोहिया अस्पताल में आपके भाई भर्ती हैं। जल्दी आ जाए। जब परिजन पहुंचे तो उन्हें पता चला कि बेटे की मौत हो चुकी है। घटना इंदिरा सेक्टर-8 की है। मृतक की पहचान शशि प्रकाश उपाध्याय (24) के रूप में हुई। वह पिता चंद्रभूषण और परिवार के साथ इंदिरानगर के सेक्टर-8 रघुराजनगर में किराये के मकान में रहता था। विष्णु एंड कंपनी के लिए वह लोन रिकवरी करता था। भाई ने कहा है कि उसकी हत्या की गई। भाई रवि ने बताया बुधवार को रात करीब 10 बजे किसी का कॉल आया था। जिसके बाद टहलते हुए बाहर निकला था। देर रात पुलिस से सूचना मिली शशि की तबीयत खराब है, लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं। लखनऊ पहुंचे तो मौत की सूचना मिली। भाई रवि ने बताया कि आसपास के लोगों से पता चला है कि उसको कुछ लोगों ने मारा है। जिस तरह से शव मिला है उसको देखकर पीट-पीट हत्या की बात सामने आ रही है। इंस्पेक्टर गाजीपुर का कहना है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।

यूपी सरकार ने शुरू की नई हेल्पलाइन

लखनऊ (संवाददाता)। आपके घर के बाहर नाली गंदगी से भरी हो, कई दिनों से सफाई न हुई हो या सड़क पर लंबे समय से झाड़ू न लगा हो, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग ने ऐसी सभी समस्याओं के समाधान के लिए नई हेल्पलाइन शुरू की है। विभाग केआधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर जारी जानकारी के अनुसार अब सफाई, जलभराव, स्ट्रीट लाइट और कूड़ा कलेक्शन जैसी समस्याएँ केवल एक कॉल पर दर्ज कराई जा सकती हैं।नगर विकास विभाग के मुताबिक शहर से जुड़ी हर समस्या के लिए अब हेल्पलाइन नंबर 1533 पर संपर्क किया जा सकता है। जल भराव, पथ प्रकाश, स्वच्छता, कर भुगतान या डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन इन सभी शिकायतों का समाधान इसी नंबर के माध्यम से किया जाएगा। श्एक नंबर, कई समाधानश की नीति के तहत सेवा शुरू की गई है।पोस्ट में बताया गया कि अगर आपके इलाके की स्ट्रीट लाइट खराब है, जिससे अंधेरा रहता है, पेयजल की व्यवस्था सही नहीं है, पाइप लीक कर रहा है, सड़क पर कोई पशु मृत पड़ा है या जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत आ रही है।इन मामलों में 1533 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। कॉल के बाद समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा।नई हेल्पलाइन सेवा का उद्देश्य है कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए पार्षद, नगर निगम कर्मचारी या किसी स्थानीय नेता के पीछे न भागना पड़े, बल्कि सारी सुविधाएँ सीधे एक ही नंबर पर उपलब्ध हों।

भूपेंद्र चौधरी दुखी

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार पंकज शाह के पिताजी पीएल शाह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

एक्सीलिया स्कूल ने फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह को जन्मदिन पर किया याद

लखनऊ (संवाददाता)। एक्सीलिया स्कूल में महान धावक फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह जी का जन्मदिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। आज ही के दिन 20 नवंबर 1929 को गोविंद पुरा पंजाब में (वर्तमान में पाकिस्तान में) महान धावक फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह जी का जन्म हुआ था। कार्यक्रम की शुरूआत विशेष प्रार्थना सभा के साथ हुई, जिसमें छात्रों ने मिल्खा सिंह के प्रेरणादायक जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। कक्षा-9 अ के छात्र हरजोत सिंह नंदा ने अपनी प्रस्तुति मिल्खा सिंह का रूप रखकर दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू श्रीवास्तव ने मिल्खा सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजिल अर्पित की। प्रधानाचार्या महोदया ने अपने संबोधन में बच्चों को बताया कि मिल्खा सिंह जी केवल एक एथलीट ही नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने छात्रों को उनके अनुशासन, कार्य के प्रति निष्ठा और देशभक्ति के भाव को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय के लिए 16.12.2018 एक ऐसा विशेष दिन था जब फ्लाइंग सि मिल्खा सिंह एक्सीलिया आये थेद्य यादगार के रूप में लिए गए उनके पद चिह्न आज भी विद्यालय में सुरक्षित हैं। विद्यालय में उनके आगमन से जुड़ी अनेकों स्मृतियाँ जगह- जगह पर अंकित हैं। विद्यालय की खेल शाखा द्वारा उनके जीवन पर आधारित एक प्रेरक प्रस्तुति दी गई, जिसमें उनकी कठिनाइयों, देशप्रेम और दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाया गया। छात्रों ने मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास पर आधारित छोटे-छोटे भाषण भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मिनी रनिंग इवेंट था, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लेकर मिल्खा सिंह जी के सपनों और समर्पण को जीवंत किया। खेल शिक्षक ने बच्चों को समझाया कि मिल्खा सिंह की तरह हमें भी अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

सम्पादकीय

सड़क पर उतरने की तैयारी में कांग्रेस

बिहार चुनाव में हार के बाद एक बार फिर कांग्रेस के पतन की भविष्यवाणी होने लगी है। कई स्वनामधन्य पत्रकारों ने विश्लेषण करना शुरू कर दिया है कि राहुल गांधी जिन राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाते हैं, वहां कांग्रेस को किस तरह हार मिलती है। ऐसा लगता है मानो बिहार में भाजपानीत एनडीए की जीत नहीं, महागठबंधन की हार इनके लिए ज्यादा मायने रखती है। अब यह सबका अपना विवेक है कि वे बिहार के चुनाव परिणामों का विश्लेषण किस तरह करते हैं। लेकिन इस बीच कांग्रेस ने मौजूदा हाल पर गहन मंथन शुरू कर दिया है। एक तरफ कांग्रेस ने सांगठनिक स्तर पर कार्रवाई आरंभ की है, तो दूसरी तरफ चुनावी धांधली के खिलाफ सड़कों पर उतरने की उसकी तैयारी है।कांग्रेस विरोधियों को यह देखकर निराशा हो सकती है कि 14 नवंबर को आए नतीजों के चार दिन बाद ही कांग्रेस ने एक बड़ी बैठक बुला ली। हार से परेशान होकर उसके नेता घरों में बंद नहीं हुए। बल्कि इन परिणामों की समीक्षा कर नयी रणनीति बनाने में जुट गए। मंगलवार 18 नवंबर को दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में उन 12 राज्यों के एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों समेत बड़े पदाधिकारियों की एक बैठक हुई, जहां अभी चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया चला रहा है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तो थे ही, राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए।बता दें कि अपने दैनिक एसआईआर बुलेटिन में चुनाव आयोग ने कहा था कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 50.11 करोड़ गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिसमें पुडुचेरी के अलावा बाकी तीनों राज्यों में एसआईआर के खिलाफ राज्य सरकारों ने आपत्ति दर्ज कराई है। तमिलनाडु और प.बंगाल से एसआईआर रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है और इन राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई है। वहीं केरल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर रोकने की याचिका दायर की है। याचिका में केरल सरकार ने एसआईआर प्रक्रिया को राज्य में चल रही स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआई) की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक रोकने की मांग की है। गौरतलब है कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में 9 दिसंबर और 11 दिसंबर को कराए जाएंगे, जबकि राज्य में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है और 4 दिसंबर को ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। केरल सरकार का तर्क है कि केरल पंचायत राज कानून संवैधानिक प्रक्रिया है और इस अहम प्रक्रिया के दौरान एसआईआर कराना, प्रशासनिक गतिरोध पैदा हो सकता है। जबकि तमिलनाडु में अधिकारी और कर्मचारी ही एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के बूथ स्तर के अधिकारी बीएलओ के साथ ही तहसीलदार स्तर तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बहिष्कार का ऐलान किया था। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे काम का बोझ, कम लोग, समयबद्ध दबाव, अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। ये विरोध और अदालत में पहुंचती याचिकाएं बता रही हैं कि निर्वाचन आयोग और उसका साथ देती भाजपा मतदाता सूची शुद्धिकरण के जितने तर्क दें, उन शंकाओं का समाधान फिर भी नहीं हो पा रहा, जिनमें वैध मतदाताओं के नाम काटने की बात कही गई है।इधर भाजपा शासित असम में भी अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। लेकिन आयोग ने पूर्वोत्तर के इस राज्य के लिए श्विशेष पुनरीक्षणश यानी केवल एसआर की घोषणा की है। इसे लेकर भी विपक्ष हमलावर है और सवाल उठा रहा है कि यहां एसआईआर क्यों नहीं किया जा रहा है, क्या यह भाजपा का दोहरा मापदंड नहीं है। बहरहाल, जैसे बिहार एसआईआर में आपत्तियों को अनसुना किया गया, वही रवैया अब भी अपनाया जाएगा, यह तय है। लेकिन इस बार कांग्रेस ने आवाज बुलंद करने के लिए सड़कों पर उतरने का फैसला लिया है। मंगलवार की बैठक में यह भी तय हुआ है कि दिसम्बर के पहले सप्ताह में रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बताया कि इस रैली में हम चुनाव आयोग के राजनीतिकरण का पदार्फाश करेंगे। चुनाव आयोग ने जैसा बिहार में किया, वही नीति बाकी राज्यों में अपनाई जाएगी। एसआईआर को लेकर हम बिहार चुनाव के पहले से सवाल उठा रहे हैं। हमने बिहार में श्वोटर अधिकार यात्राश भी निकाली थी और देश को बताया था कि एसआईआर में बहुत सारी गड़बड़ियां हैं। एसआईआर के बारे में सुप्रीम कोर्ट के 5 आदेश आए, जो कि चुनाव आयोग की बदनीयत को दिखाते थे और उसे सुप्रीम कोर्ट ने भी देखा। कांग्रेस पार्टी ने देशभर में एक शहस्ताक्षर अभियानश चलाया, जिसमें 5 करोड़ हस्ताक्षर इकठ्ठा हुए हैं। ये पार्टी स्तर से चलाया जाने वाला अभियान रहा। अगर वोटर का अधिकार छीना जाएगा तो हम सब आवाज उठाएंगे और यह हमारा कर्तव्य है।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए। मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से लाल गलियारा कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दशार्ता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दशार्ता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी। आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है। नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागजों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है।

सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए। मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से लाल गलियारा कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दशार्ता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिकि और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दशार्ता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी। आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिकि सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

मुस्लिम-लीग माओवादी कांग्रेस का मतलब क्या?

बलबीर पुंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कांग्रेस को मुस्लिम-लीग माओवादी कांग्रेस कहने और उसे देश के लिए खतरा बताने का निहितार्थ क्या है? इस विचार को प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार नहीं बल्कि 3 अवसरों पर व्यक्त किया है। पहले 14 नवम्बर को बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग गठबंधन द्वारा दर्ज प्रचंड जीत पर दिल्ली में भाजपा समर्थकों को संबोधित करते हुए। फिर 15 नवम्बर को गुजरात स्थित सूरत के एक कार्यक्रम में और इसके बाद 17 नवम्बर को दिल्ली में आयोजित रामनाथ गोयनका के व्याख्यान में। प्रधानमंत्री के मुताबिक, 10-15 साल पहले कांग्रेस में जो अर्बन-नक्सली माओवादी पैर जमा चुके थे, अब वो कांग्रेस को मुस्लिम-लीग माओवादी कांग्रेस (एम.सी.सी.) बना चुके हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि मुस्लिम-लीग माओवादी कांग्रेस अपने स्वार्थ में देश के लिए खतरा बनती जा रही है। कांग्रेस की यह छवि एकाएक नहीं बनी है और न ही यह मात्र कोई चुनावी या राजनीतिक जुमलेबाजी है। कांग्रेस का संकट बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पर उसके आधिकारिक वक्तव्य से स्पष्ट है, जिसमें पार्टी नेतृत्व मतदाता द्वारा नकारे जाने को फर्जी वोट चोरी का परिणाम बता रही है। दरअसल, वर्तमान कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी जिस विभाजनकारी मार्ग पर चल रहे हैं,उसकी प्रेरणा उन्हें अपने परिवार ही से मिली है। वर्ष 1950 से राहुल के परनाना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिस विकृत सैकुलरवाद को अपनाया, उसने देश में इस्लामी कट्टरता और ड्क्षहदू-विरोधी शक्तियों को नया जीवनदान दिया। पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर के इस्लामी स्वरूप को बरकरार रखने हेतु अनुच्छेद 370-35ए को संविधान में बिना चर्चा के चोर दरवाजे से शामिल करवाया तो बहुसंख्यकों के लिए हिंदू कोड बिल लागू करके मजहबी स्वतंत्रता के नाम पर मुस्लिम समाज को हलाला और तीन तलाक जैसी कुरीतियों के साथ छोड़ दिया। पं. नेहरू के लिए हिंदू मंदिर दमनकारी तो केवल हिंदू ही सांप्रदायिक थे। कालांतर में उनके द्वारा अपनाई समाजवाद प्रेरित नीतियों ने भारतीय आर्थिकी को ध्वस्त कर दिया, जिसकी चर्चा पिछले कुछ लेखों में की जा चुकी है। यह विकृति राहुल की दादी इंदिरा गांधी के शासन में और बढ़ गई। उन्होंने 1969 में कांग्रेस टूटने के बाद अपने धड़े की वैचारिक संगोष्ठी उन वामपंथियों के हाथों में सौंप दी जो अधिनायकवाद को बढ़ावा देने के साथ न तो तब स्वयं को भारत की बहुलतावादी सनातन संस्कृति से जोड़ पाए थे न ही अब जोड़ पाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, अदालत द्वारा अपनी वोट चोरी पकड़े जाने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल (1975-77) थोप दिया। इसी दौरान अयोध्या में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के प्रमाण संबंधित उत्खनन रिपोर्ट को भी दबा दिया गया। कालांतर में पंजाब में अपने विरोधी अकाली दल को हाशिए पर पहुंचाने हेतु उन्होंने मृत खालिस्तान विचार को अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ और सत्ता हथियाने की लालसा में पुनर्जीवित कर दिया। इसका उल्लेख गैर-राजनीतिक, पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी और भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) में वर्षों जुड़े रहने के बाद सेवानिवृत हुए गुरबख्श सिंह सिद्धू ने अपनी पुस्तक द खालिस्तान कांस्पीरेसी में किया है। जैसे 1980 के दशक में भिंडरांवाले को आगे रखकर इंदिरा गांधी ने हिंदू-सिख संबंधों को लेकर आत्मघाती राजनीति की, ठीक उसी तरह राहुल के पिता राजीव गांधी ने वर्ष 1986 के शाहबानो मामले से मुस्लिम वोटबैंक का बिगुल फूंक दिया। तब मुस्लिम कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकते हुए तत्कालीन राजीव सरकार ने संसद में प्रचंड बहुमत के बल पर मुस्लिम महिला उत्थान की दिशा में आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया था। कालांतर में मुस्लिम-विरोध के कारण ही सलमान रशीद की सैटनिक वर्सेज(1988)और तस्लीमा नसरीन की लज्जा (1993) पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। भले ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता (दिवंगत) डा.मनमोहन सिंह 2004-2014 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे परंतु उन्हें दिशा-निर्देश असंवैधानिक राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एन.ए.सी.) से मिलते थे, जिसका नेतृत्व तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्षा और राहुल की माता जी सोनिया गांधी कर रही थीं। एन.ए.सी.में ऐसे लोग शामिल थे,जिनका राष्ट्रहित की बजाय वैचारिक एजेंडे (वामपंथ सहित) से अधिक सरोकार था। इसी कालखंड में 2002 के उस नृशंस गोधरा कांड, जिसमें जिहादियों ने भजन-कीर्तन कर रहे 59 हिंदुओं को ट्रेन में जिंदा जला दिया था, उसे हादसा बताकर रफा-दफा करने का असफल प्रयास किया गया। घुमा-फिराकर देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का बता दिया। हलफनामा देकर सर्वोच्च न्यायालय में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को काल्पनिक कह दिया। वैश्विक रूप से स्थापित जिहादी आतंकवाद-कट्टरवाद को तब देश में इस्लामोफोबिया घोषित करने हेतु मनगढ़ंत ड्क्षहदू-भगवा आतंकवाद का हौव्वा खड़ा कर दिया। इसके अंतर्गत वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले (26ध्11) में असली दोषी (पाकिस्तानी आतंकियों) को क्लीनचिट देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को फंसाने का फर्जी नैरेटिव बुना गया।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और कम हुई

विपिन पब्बी

बिहार में अभूतपूर्व जीत का श्रेय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) को जाता है। नीतीश कुमार की व्यक्तिगत छवि और बिहार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपनाई गई चतुर राजनीतिक रणनीति ने मिलकर गठबंधन को भारी बहुमत दिलाया। हालांकि चुनाव में भारी मतदान को देखते हुए गठबंधन की जीत लगभग तय थी लेकिन जीत की व्यापकता ने एन.डी.ए. के नेताओं को भी चौंका दिया होगा। लेकिन एन.डी.ए. का एक बाहरी सहयोगी, जिसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जिसका नाम लेना भी जरूरी है, वह था भारत का चुनाव आयोग। यह याद करना मुश्किल है कि आयोग ने कभी बिहार चुनावों में जिस तरह पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है, वैसा पहले कभी किया हो। इसका सबसे बेशर्मी भरा काम उस खुलेआम रिश्वतखोरी पर आंखें मूंद लेना था जिसकी अनुमति राज्य सरकार ने चुनाव की पूर्व संध्या पर बिहार की 1.76 करोड़ महिलाओं को 10,000 रुपए नकद देने की घोषणा करते समय दी थी। सरकार ने यह भी संकेत दिया कि यह राशि केवल अग्रिम राशि है और अगर सरकार सत्ता में वापस आती है तो इन महिलाओं को 6 महीने के भीतर उद्यम शुरू करने के लिए 2 लाख रुपए तक की राशि दी जाएगी। 10,000 रुपए की राशि और 2 लाख रुपए का वादा, राज्य के लोगों के लिए वास्तव में एक बड़ी राशि है, जहां प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम लगभग 30,000 रुपए प्रति वर्ष है जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह एक लाख रुपए प्रतिवर्ष से थोड़ा अधिक है। अपनी रणनीति के तहत एन.डी.ए. ने विधानसभा चुनावों की आधिकारिक

घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ दिन पहले ही इस योजना की घोषणा की। घोषणा का समय इस तरह से तय किया गया था कि चुनाव प्रचार के दौरान और मतदान से एक दिन पहले तक महिलाओं के बैंक खातों में धनराशि जमा हो जाए। इस योजना की घोषणा के समय के लिए चुनाव आयोग को दोषी नहीं ठहराया जा सकता लेकिन चुनावों की घोषणा के बाद नकदी हस्तांतरण पर रोक न लगाने के लिए वह निश्चित रूप से दोषी है। कोई भी चुनाव आयोग, जिसमें थोड़ा भी आत्मसम्मान होता, ऐसा करता। इसे एक चालू योजना के बहाने से पारित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों का मजाक उड़ाना था। दरअसल, इसने राज्य सरकार को नकदी वितरण के लिए विशेष अनुमति दी थी। चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक वह नकदी हस्तांतरण पर रोक क्यों नहीं लगा सका? इस तरह के एक स्पष्ट कृत्य की ओर से आंखें मूंद लेने से भारत के चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और कम हुई है, जिसकी आलोचना सरकार के चापलूस होने के आरोप के साथ हो रही थी, खासकर जब से सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन के नियमों में संशोधन किया है। यह एक अलग तरह की वोट चोरी को बढ़ावा दे रहा है न कि वह जो विपक्ष के नेता राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से आरोप लगा रहे थे। वास्तव में, राहुल गांधी मतदाताओं और यहां तक कि अपनी पार्टी के नेताओं को भी यह समझाने में विफल रहे हैं कि तथाकथित फर्जी वोट वास्तव में भारतीय जनता पार्टी को गए थे। यहां तक कि उनका हाइड्रोजन बम भी बेकार साबित हुआ क्योंकि वे एक भी मतदाता को यह दावा करने के लिए पेश नहीं कर पाए कि उनका वोट किसी और ने डाला है। चुनाव आयोग को चुनाव प्रचार के चरम पर होने के बावजूद नकदी हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए था लेकिन राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियां महिलाओं की प्रतिक्रिया के डर से इस योजना का विरोध करने से कतरा रही थीं। इसके बजाय, राजद के तेजस्वी यादव ने राज्य के प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा करके मतदाताओं को आकात करने के लिए एक योजना की घोषणा की। यह वादा इतना हास्यास्पद था कि राज्य में कोई भी इस पर विश्वास करने को तैयार नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि राज्य में सरकारी कर्मचारियों की वर्तमान संख्या केवल 20,000 है और वह 2.6 करोड़ नौकरियों का वादा कर रहे थे, जिसकी लागत 6,50,000 करोड़ रुपए होगी! उन्होंने अगले 5 वर्षों तक पात्र महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने का भी वादा किया था। जाहिर है, मतदाताओं के लिए हाथ में नकदी, बेतुके वादों से ज्यादा विश्वसनीय थी। हालांकि, नीतीश कुमार को यह श्रेय देना होगा कि 1.76 करोड़ महिलाओं को केवल 10,000 रुपए का नकद हस्तांतरण ही एकमात्र कारक नहीं था जिसने उन्हें लगातार पांचवीं बार सत्ता में पहुंचाया। महिला कल्याण और सशक्तिकरण पर उनके ध्यान ने उन्हें लगभग दो दशक पहले हाई स्कूल की लड़कियों को साइकिल देने से लेकर कई लाभ दिए हैं। उन्होंने उन लड़कियों को सशक्त बनाया और अब उनमें से ज्यादातर युवा माताएं हैं जिन्हें 2 लाख रुपए तक के अनुदान के वादे के साथ व्यवसाय शुरू करने के लिए 10,000 रुपए मिले हैं।

नक्सल के नासूर पर प्रहार

इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा का मुठभेड़ में मारा जाना वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की दशकों पुरानी लड़ाई में निर्णायक सफलताओं में से एक है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दशार्ता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय- वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है। अब वर्ष 2010 का दंतेवाड़ा हमला हो या 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले बीस वर्षों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा की रणनीति बतायी जाती है। वहीं दूसरी ओर इन हमलों ने भारत की सुरक्षा रणनीति को नया रूप दिया। इससे पहले इसी साल मई में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के जनरल सक्रेटरी बसवराजू को भी मार गिराया था। वहीं इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में तीन सौ से अधिक नक्सली मारे जाने से नक्सलवाद छोटे इलाके में सिमटा है। निस्संदेह, सुरक्षा बलों की तत्परता और सुनियोजित अभियानों से नक्सलवाद कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन जरूरत उन परिस्थितियों को दूर करने की है, जिन्होंने नक्सलवाद को जन्म दिया। आवश्यकता उन मुद्दों के समाधान की है, जिसके चलते माओवाद को जड़ें जमाने का मौका मिला। बस्तर का अधिकांश क्षेत्र लगातार विकास की विसंगतियों, खनन से संसाधनों के मनमाने दोहन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण विस्थापन व जनजातीय समुदायों और राज्य के बीच विश्वास की कमी से जूझता रहा है। अभी भी आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण स्कूलों, भूमि अभिलेखों और कल्याणकारी योजनाओं तक पूरी तरह पहुंच नहीं बन पायी है। दूर-दराज के कई गांवों में ग्रामीणों को प्रशासन का अनुभव नागरिक संस्थानों के बजाय सुरक्षा बलों की मौजूदगी से ही होता है। दरअसल, विकास की नीतियों से जुड़े वायदों और हकीकत का अंतर ही आदिवासियों में असंतोष को बढ़ाता है। भले ही माओवाद का प्रभाव कम हो जाए। वास्तव में जब तक शासन जिम्मेदार, जवाबदेह और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील नहीं बन पाता, तब तक माओवादी संस्कृति के पनपने की आशंकाएं बनी रहेंगी। दरअसल,क्षेत्र में तंत्र की अनुपस्थिति ने ही चरमपंथियों को आदिवासियों के रक्षक के रूप में पेश करने का मौका दिया। निस्संदेह, सुरक्षा बलों ने माओवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा काम कर दिया है, अब राज्यों के पास इस रणनीतिक जीत को स्थायी शांति में बदलने का अच्छा अवसर है। इसकी प्राप्ति के लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि सड़कें, स्कूल, नागरिक अधिकार व आजीविका बस्तर के वनाच्छादित इलाकों तक पहुंचे। तभी देश नक्सली हिंसा के दंश से भविष्य में मुक्त रह पाएगा। अभी नक्सवादियों पर जो चौतरफा दबाव बना है और जिस तरह से नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उसके निहितार्थों को स्थायी बनाने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में जारी सघन अभियान से बच निकलकर नक्सली देश के अन्य राज्यों में नये ठिकाने न तलाश लें। साथ ही समर्पण करने वाले नक्सलियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल करने के संवेदनशील प्रयास भी बेहद जरूरी हैं।

टमाटर के दाम हुए बेकाबू, 15 दिन में दाम 50 फीसदी बढ़े रेट; इस वजह से आया उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक बार फिर टमाटर रसोई का बजट बिगाड़ने लगे है। देशभर में बीते 15 दिनों के भीतर टमाटर की कीमतों में 50 प्रतिशत तक उछाल देखा गया है। कई शहरों में तो इसके दाम दोगुने तक पहुंच गए हैं। इसकी मुख्य वजह अक्टूबर में हुई तेज बारिश है, जिसने कई राज्यों में टमाटर की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया और बाजार में सप्लाई कम हो गई। सबसे ज्यादा असर चंडीगढ़ पर पड़ा सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक महीने में खुदरा कीमतों में 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, 19 नवंबर को टमाटर का ऑल इंडिया एवरेज प्राइस 46 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया, जबकि एक महीने पहले यह 36 रुपये प्रति किलो था। यानी औसत कीमतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। सबसे ज्यादा असर चंडीगढ़ पर पड़ा, जहां दाम 112 प्रतिशत तक बढ़ गए।

बेटे वायु के जन्म के 3 साल बाद सोनम कपूर ने फिर सुनाई खुशखबरी

जल्द ही दूसरे बच्चे की मां बनेंगी एक्ट्रेस

बॉलीवुड इंडस्ट्री से हाल ही में एक गुड न्यूज सामने आई है। एक्टर अनिल कपूर जल्द ही दूसरी बार नाना बनने जा रहे हैं। जी हां, अनिल की बेटी व फेमस एक्ट्रेस सोनम कपूर फिर से प्रेग्नेंट हैं। बेटे वायु के बाद वह पति आनंद आहुजा के दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी। इस बात की खुशखबरी सोनम ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है, जिसके बाद सेलेब्स और फैंस उन्हें लगातार बधाइयां दे रहे हैं। दरअसल, सोनम कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने स्टाइलिश फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह उन्होंने अपने बेबी बंप को ग्रेसफुल तरीके से फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर और सिर्फ एक शब्द लिखाकृ ष्डव्ज्भ्म्त्। बस फिर क्या..उनकी ये तस्वीरें और कैप्शन देख कमेंट बॉक्स में बधाइयों के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। सेलेब्स से लेकर फैंस तक सोनम कपूर को दूसरी बार मां बनने को लेकर बधाई देते दिख रहे हैं। बता दें, सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहुजा संग शादी रचाई थी और फिर शादी के 4 साल बाद कपल ने साल 2022 में अपने पहले बच्चे यानी बेटे वायु का स्वागत किया। वहीं, अब सोनम दोबारा से मां बनने जा रही हैं, जिससे उनके फैंस, फैमिली और सेलेब्स में खुशी की लहर दौड़ गई है।

महाराष्ट्र के सांगली में फेरे लेंगे पलाश-मंधाना, मुंबई में रिसेप्शन; कई सेलेब होंगे शामिल

इंदौर। पलाश भी संगीत से जुड़े है। वे कुछ फिल्मों में संगीत दे चुके है। पलक जब दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिए शो करती थी तो उसमें पलाश भी शामिल होते थे। बाद में वे फिल्म निर्देशन क्षेत्र से भी जुड़ गए। पलाश की स्कूली शिक्षा इंदौर से ही हुई है। महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल महाराष्ट्र के सांगली गांव में सात फेरे लेंगे। 23 नवंबर को दोनों विवाह सूत्र में बंधेंगे।

इस हाईप्रोफाइल शादी के आमंत्रण कार्ड इंदौर में मुच्छल परिवार के रिश्तेदारों व मेहमानों को भी बंटे हैं। शादी और उसके बाद होने वाली पार्टी सांगली में होगी। शादी के बाद इंदौर में रिसेप्शन देने की योजना अभी मुच्छल परिवार ने नहीं बनाई है। बताया जा रहा है कि पलाश व स्मृति शादी के बाद एक पार्टी मुबंई में दे सकते हैं जिसमें फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सितारे और क्रिकेटर शामिल हो सकते हैं। पलाश बॉलीवुड की मशहूर सिंगर पलक के भाई हैं और वे खुद फिल्म निर्देशक भी हैं। पिछले दिनों जब स्मृति इंदौर में महिला विश्व कप का मैच खेलने आई थी। तब पलाश भी इंदौर में थे। उन्होंने तब कहा था कि इंदौर उनके दिल में बसता है और जल्दी ही स्मृति इंदौर की बहू बनेगी। पलाश इन दिनों राजू बैंड वाला फिल्म बना रहे हैं। जिसमे पंचायत में काम कर चुके कलाकार चंदन राय मुख्य भूमिका में है। पलक के साथ शो देते थे पलाश पलाश भी संगीत से जुड़े हैं। वे कुछ फिल्मों में संगीत दे चुके हैं। पलक जब दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिए शो करती थी तो उसमें पलाश भी शामिल होते थे। बाद में वे फिल्म निर्देशन क्षेत्र से भी जुड़ गए।

120 बहादुर की स्पेशल स्क्रीनिंग में सचिन तेंदुलकर, रेखा, जावेद अख्तर सहित कई सितारों ने की शिरकत

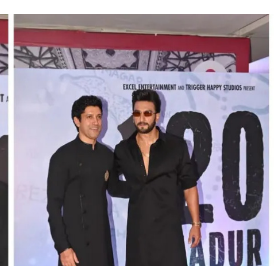

इस शुक्रवार रिलीज होने वाली फिल्म 120 बहादुर, जिसे एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने बनाया है, की चर्चा अब चरम पर है। ट्रेलर में जोश और प्रेरणा का बढ़िया मिश्रण है, जो दर्शकों को भारत की सबसे बड़ी लड़ाई का एक अनकहा किस्सा दिखाता है। इसमें 120 बहादुर भारतीय सैनिकों ने रिजांग ला की लड़ाई में 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ अपनी पोस्ट की रक्षा की। इस उत्साह के बीच, मुंबई में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें प्रोड्यूसर, कास्ट, क्रू मेंबर्स और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री समेत कई प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी रही। फिल्म 120 बहादुर की स्पेशल स्क्रीनिंग वाकई एक बड़े सेलिब्रिटी इवेंट की तरह रही। प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, अमित चंद्रा और डायरेक्टर रजनीश रेजी घई ने स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया, साथ ही कास्ट के सदस्य राशी खन्ना, स्पर्श वालिया, बृजेश करनवाल, साहिब वर्मा, अतुल सिंह, देवेंद्र अहिरवार, धनवीर सिंह, अशुतोष शुक्ला, अंकित सिवाच, दिग्विजय प्रताप, विवान भटेना, ईजाज खान और अजिंक्य देव भी मौजूद रहे। इसके अलावा, इस स्क्रीनिंग में एंटरटेनमेंट और खेल जगत के जाने-माने हस्तियों ने भी शिरकत की। खास मेहमानों में करण जौहर, तब्बू, रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, रेखा, ऋतिक रोशन, रणवीर सिंह, शिबानी दांडेकर, तमन्ना भाटिया, अर्जुन रामपाल, जावेद अख्तर, काजोल, सोनल चौहान, जहीर खान, अनुपम खेर, सोनी रजदान, विजय वर्मा, वेदांग रैना, अनित पद्दा और कई अन्य शामिल थे। वहां मौजूद सभी लोगों से फिल्म को बहुत प्यार और सराहना मिली। फिल्म 120 बहादुर 1962 के युद्ध में लड़ी गई मशहूर रेजांग ला की लड़ाई में भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की अद्भुत वीरता को दिखाती है। फिल्म में फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हर मुश्किल का सामना किया और भारतीय सेना के इतिहास की सबसे यादगार लड़ाइयों में से एक में बहादुरी की मिसाल पेश की। ऐसे बता दें कि इस फिल्म के दिल में एक दमदार पंक्ति गूंजती है हम पीछे नहीं हटेंगे। यह पंक्ति अडिग संकल्प और अटूट देशभक्ति को दशार्ती है। 120 बहादुर का निर्देशन रजनीश श्रेजीश घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रवि और सरगुन ने दिया कृष किशोर को इंडियाज गॉट टैलेंट पर बड़ा मौका

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के ब्लॉकबस्टर टैलेंट रियलिटी शो इंडियाज गॉट टैलेंट, जो अपने अजब एक्ट्स और गजब सरप्राइज के लिए जाना जाता है, का ताजा एपिसोड एक संगीतमय जश्न में तब्दील हो गया जब रियल लाइफ पावर कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे अपने नए ट्रैक फना कर दे के प्रमोशन के लिए शो पर पहुंचे। जज मलाइका अरोड़ा, नवजोत सिंह सिद्धू, और शान, तथा होस्ट हर्ष लिंबाचिया के साथ, सेट पर उनकी मौजूदगी ने शुरूआत से ही जोश और ऊर्जा भर दी, जिससे मेलोडी, गर्मजोशी और अनपेक्षित लम्हों से भरा एपिसोड शुरू हुआ। शाम का सबसे खघस पल तब शुरू हुआ जब प्रतियोगी कृष्ण और किशोरकृ अपनी सुरीली आवाजों के लिए मशहूर भाई की जोड़ीकृने अपने एक्ट में एक मजेदार ट्विस्ट पेश किया। खुद गाना चुनने के बजाय, उन्होंने दर्शकों को फैसला करने दिया। दर्शकों ने दिल दियां गलां, आज दिन चढ़ेया, हौले हौले, और मैं अगर कहूँ जैसे पसंदीदा गानों के नाम पुकारे, और भाइयों ने हर बार एक दिल छू लेने वाला प्रदर्शन दिया, जिसने जजों और गेस्ट दोनों का दिल जीत लिया। लेकिन रात का सबसे यादगार पल इसके तुरंत बाद आया। जैसे ही कृष्ण और किशोर ने वे हानिया गाया, सरगुन और रवि भी मंच पर आ गए और उनके साथ थिरकते हुए इस परफॉर्मेंस को एक भावनात्मक और खूबसूरत जश्न में बदल दिया। इसी संगीतमय जुड़ाव ने रवि को इस गाने से जुड़ी अपनी भावनाएँ साझा करने के लिए प्रेरित किया। रवि दुबे ने कहा, यह गाना हमारे सपने का बहुत बड़ा हिस्सा है, क्योंकि हमने दो साल पहले अपना म्यूजिक लेबल लॉन्च किया था और संयोग से यह हमारे लेबल का पहला गाना था। सरगुन ने जोड़ा, आप लोग बहुत अच्छा गाते हैं। जब भी आपको हमारी जरूरत होगी, हम हमेशा आपके साथ रहेंगे। हम अब बहुत बड़ा म्यूजिक लेबल हैंकृहमारा लेबल हमेशा नए टैलेंट के लिए तैयार है, और जो कुछ करना चाहते हैं, हम भी उनके साथ कुछ करना चाहते हैं। इसके बाद रवि ने भाइयों को एक दिल छू लेने वाला, जिंदगी बदल देने वाला ऑफर दिया और कहा कि वे हमेशा उनके लेबल से जुड़ने के लिए स्वागत योग्य हैं। इसके बाद इस कपल ने फना कर दे पर एक धमाकेदार और हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस देकर मंच पर आग लगा दी। उनकी केमिस्ट्री, ऊर्जा और स्टेज प्रेजेन्स ने इस सीजन के सबसे यादगार गजब लम्हों में से एक बना दिया। इंडियाज गॉट टैलेंट के सभी सुरमयी, जादुई और अजब-गजब पलों को देखना न भूलेंकृहर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी टीवी पर।

गुस्ताख इश्कः शायरी, सुकून और पुराने दौर की मोहब्बत से लिपटी मनीष मल्होत्रा की दिलकश लव स्टोरी

लगातार आती शोरगुल भरी, भव्य फिल्मों की दौड़ में, ऐसी फिल्म मिलना दुर्लभ है जो पुरानी मोहब्बत की जादुई खुशबू समेटे हुए हो और समय को पीछे ले जाए। लेकिन इस भीड़भाड़ भरे दौर में भी समय बदल रहा है। मनीष मल्होत्रा पहली बार बतौर निमार्ता गुस्ताख इश्कघ - कुछ पहले जैसा लेकर आए हैं- एक रोमांटिक, काव्यात्मक ड्रामा जो ऊँचे सुरों वाली कहानियों की भीड़ से बिल्कुल अलग खड़ा है। बॉलीवुड की हालिया फिल्मों ने दर्शकों को कुछ नया और सुकूनभरा देखने की चाह में छोड़ दिया है, और गुस्ताख इश्क के हाल ही में जारी किए गए ट्रेलर ने एक पूरी तरह ताजगी भरी प्रेम कहानी का वादा किया है। यह पुरानी मोहब्बत को उसी रूप में पेश करता है-

सुकूनभरी, पुरानी यादों से भरी, स्थिर, और सबसे बढ़कर बिना किसी जल्दबाजी के। फिल्मकारों ने पुराने दौर की शायरियों और इश्कघ को वापस लाने की कोशिश तो की, लेकिन दर्शकों से वैसी कनेक्टिविटी नहीं मिल पाई। लेकिन विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की गुस्ताख इश्कघ ने पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों की यादें फिर से ताजा कर दीं जहाँ इमारतें यादें समेटे होती हैं, जहाँ चुराई हुई नजरें संवादों से लंबी चलती हैं, जहाँ सुकूनभरा संगीत सीधा दिल में उतर जाता है, और जहाँ शायरियाँ फिल्म की धड़कन बनाए रखती हैं। फिल्म का जादू और बढ़ाता है इसका सुकूनभरा संगीत। मनीष मल्होत्रा ने संगीत जगत के दिग्गजों को एक साथ लाया है फिल्म में विशाल भारद्वाज को वनसनिस संगीत, गुलजार के बोल, और अरिजीत सिंह, शिल्पा राव, पापोन, जावेद अली, जजीम शर्मा और हिमानी कपूर जैसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता व मशहूर कलाकारों की सुरीली आवाजें शामिल हैं। ऐसे समय में जब पॉप और तेज बीट्स का बोलबाला है, गुस्ताख इश्कघ का एल्बम सुकून देता है और यह पहले से ही दर्शकों का पसंदीदा बन चुका है। चूँकि गुस्ताख इश्क में एक ब्लॉकबस्टर के सभी तत्व मौजूद हैं, दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनीष मल्होत्रा स्टेज 5 प्रोडक्शन के तहत बतौर निमार्ता एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म के साथ जो क्लासिक कहानी कहने की शैली को आधुनिक भारतीय सिनेमा के भविष्य के साथ खूबसूरती से जोड़ती है। अपने भाई दिनेश मल्होत्रा के साथ मिलकर निर्मित यह फिल्म, विभु पुरी द्वारा निर्देशित है, और यह पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की ढलती कोठियों की पृष्ठभूमि में पनपी एक भावपूर्ण प्रेम कहानी है जुनून और अनकही चाहत से भरी हुई। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

अजय देवगन की 'भोला' से लेकर ऋतिक रोशन की 'विक्रम वेधा' तक, साउथ की ये रीमेक बॉलीवुड में रही फ्लॉप

बॉलीवुड में अक्सर साउथ की फिल्मों के रीमेक बनते हैं। कई बार यह फिल्में इतनी कामयाब हो जाती हैं कि कमाई के मामले में ये ओरिजिनल फिल्म को पीछे छोड़ देती हैं। आज हम उन बॉलीवुड फिल्मों की बात करेंगे जो साउथ की कामयाब फिल्मों की रीमेक हैं। हालांकि यह फिल्में बॉलीवुड में फ्लॉप रहीं। शहजादा कार्तिक आर्यन और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'शहजादा' (2023) में रिलीज हुई थी। यह फिल्म तेलुगु ब्लॉकबस्टर 'अला वैकुंठपुरमुलु' (अल्लू अर्जुन वाली) पर आधारित थी। यह फिल्म उस तरह से नहीं चल पाई जैसे इसने साउथ

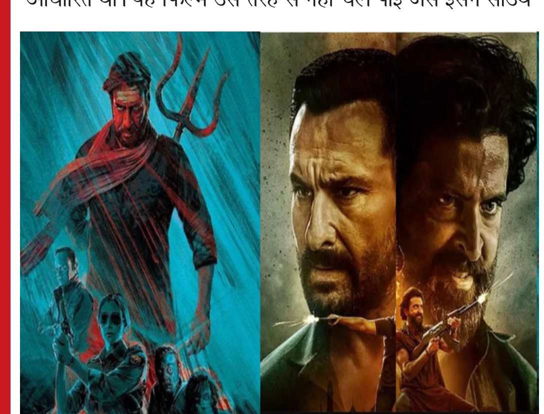

में परफॉर्म किया था। दर्शकों को तेलुगु मूवी में अल्लू अर्जुन का अभिनय और म्यूजिक पसंद आया लेकिन 'शहजादा' को दर्शकों ने नकार दिया। विक्रम वेधा 'विक्रम वेधा' (2022) में ऋतिक रोशन और सैफ अली खान लीड रोल में थे। यह फिल्म 2017 की तमिल फिल्म 'विक्रम वेधा' का रीमेक थी। दोनों फिल्मों के निर्देशक एक ही थे। जहां साउथ में यह फिल्म अच्छी चली, वहीं बॉलीवुड में यह फ्लॉप रही। बताया जाता है कि रीमेक में असली फिल्म जैसी ओरिजनलिटी नहीं थी। भोला दावा किया जा रहा था कि अजय देवगन की अदाकारी वाली फिल्म 'भोला' (2023), हिट साबित होगी। हालांकि लोकेश कनगराज की तमिल फिल्म 'कैथी' से प्रेरित इस फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया। 'भोला' को वाइल्ड एक्शन फिल्म बताया गया था। जानकारों के मुताबिक इसमें स्टंट अच्छे थे लेकिन असली सस्पेंस की कमी थी। देवा शाहिद कपूर की अदाकारी वाली फिल्म 'देवा' 31 जनवरी, 2025 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म मलयालम फिल्म 'मुंबई पुलिस' की रीमेक थी। बॉलीवुड में यह फिल्म फ्लॉप रही। देवा देखने में मजेदार थी, लेकिन स्क्रीनप्ले मजबूत नहीं था। फिल्ममेकर ने इसके आखिरी सीन को बदल दिया जबकि दर्शक इसकी तुलना ओरिजिनल फिल्म से करते रहे। लवयापा जुनैद खान और खुशी कपूर स्टारर 'लवयापा' 2022 की तमिल फिल्म 'लव टुडे' का हिंदी रीमेक थी। इसमें प्यार और भरोसे की थीम कुछ-कुछ तमिल फिल्म जैसी ही थी। 'लवयापा' बहुत यंग और ट्रेंडी लगी। क्रिटिक्स और ऑडियंस को यह ठीक-ठाक लगी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही।

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 का एलान, वेदराल्ड-डॉगेट का डेब्यू, स्मिथ कप्तान

पर्थ (एजेंसी)। डेविड वॉर्नर के रिटायरमेंट के बाद से ऑस्ट्रेलिया एक स्थायी ओपनर की खोज में था। अब चयनकताओं ने जेक वेदराल्ड पर भरोसा जताया है, जो उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरूआत करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग-11 की घोषणा कर दी है। स्टैंड-इन कप्तान स्टीव स्मिथ की कप्तानी में टीम दो नए चेहरों, जेक वेदराल्ड और ब्रेंडन डॉगेट को टेस्ट डेब्यू का मौका देगी। यह फैसला टीम मैनेजमेंट की नई आक्रामक रणनीति का संकेत माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड का सामना तेज और उछालभरी पिच पर करेगा। वेदराल्ड को ओपनिंग की बड़ी जिम्मेदारी डेविड वॉर्नर के रिटायरमेंट के बाद से ऑस्ट्रेलिया एक स्थायी ओपनर की खोज में था। अब चयनकताओं ने जेक वेदराल्ड पर भरोसा जताया है, जो उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरूआत करेंगे। इससे स्टीव स्मिथ और टीम ने यह साफ संदेश दिया है कि वे एक विशेषज्ञ ओपनर को तरजीह देंगे, बजाय मार्नस लाबुशेन को ऊपर भेजने के। वेदराल्ड ख्वाजा के छठे ओपनिंग पार्टनर होंगे। वॉर्नर के जाने के बाद से यह स्लॉट लगातार बदला जा रहा है।

पाकिस्तान को जहाज और पनडुब्बियां दे रहा चीन

हर गतिविधि पर नजर रख रही भारतीय नौसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाइस एडमिरल संजय वात्सायन ने कहा कि भारतीय नौसेना इस बात से अवगत है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां और जहाज दे रहा है और नौसेना हर गतिविधि की बहुत ध्यान से 'निगरानी' कर रही है, ताकि समुद्री सुरक्षा और देश के हितों की रक्षा की जा सके। राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना के उप-प्रमुख ने कहा, हमें पता है कि चीन पाकिस्तान को पनडुब्बियां और जहाज दे रहा है। हम हर चीज पर बारीकी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना देश की रक्षा प्रणाली को मजबूत करने पर काम कर रही है, खासकर पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमता पर। वाइस एडमिरल वात्सायन ने कहा, हमें पूरी जानकारी है कि चीन पाकिस्तान को

पनडुब्बियां दे रहा है और जल्द ही उनकी पनडुब्बियों को शामिल करने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। लेकिन हम भी पूरे क्षेत्र में हर स्थिति पर नजर रख रहे हैं। जो कुछ भी हमें करना है और जिसका मुकाबला करना है, हम उसकी तैयारी कर रहे हैं। हमें यह भी पता है कि पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए हमें कैसी क्षमताओं की जरूरत है। वात्सायन ने यह बयान भारतीय नौसो के 'स्वावलंबन 2025' कार्यक्रम को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेस में दिया। यह कार्यक्रम 25-26 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में होगा। इस बार का आयोजन नई तकनीकों, स्वदेशी समाधान और भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रगति को प्रदर्शित करेगा। नौसेना के उप-प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना उन तकनीकों और क्षमताओं पर भी नजर रख रही है जो अन्य देश भी दे रहे हैं और इन्हें देखते हुए नौसेना लगातार अपनी तैयारी की समीक्षा करती है और नई चीजों को जोड़ने और खरीदने की योजना बनाती है। चीन की क्षमताओं पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि चीन अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल करने जा रहा है, लेकिन भारतीय नौसेना को भी अगले दो साल में कई नए विमान मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा, जहां तक चीन की बात है.. उनके पास तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर आने वाला है। लेकिन जैसा मैंने कहा, हमारे कुछ विमान निमार्णाधीन हैं और अगले दो साल में हमें मिल जाएंगे। हमने जरूरी स्वीकृति पहले ही ले ली है और पिछले पांच साल में कई क्षमताएं हासिल की हैं। इसलिए हमें पूरा भरोसा है कि हम वही कर रहे हैं जो जरूरी है। एक नवंबर को भी वाइस एडमिरल वात्सायन ने कहा था कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर में 'बाहरी ताकतों' की मौजूदगी पर नजर रख रही है। उन्होंने बताया था कि किसी भी समय वहां 40 से 50 जहाज सक्रिय रहते हैं और नौसेना हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। भारतीय नौसेना का 'स्वावलंबन 2025' एक ऐसा मंच है जो नवोन्मेषकों, स्टार्टअप्स, उद्योगों और सशस्त्र बलों को एक साथ लाएगा। नौसेना के उप-प्रमुख के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी स्वावलंबन 2025 में शामिल होंगे।

पालघर में अमानवीय सजा देने वाली आरोपी शिक्षिका गिरफ्तार; 100 उठक-बैठक के बाद छात्रा की हुई थी मौत

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक स्कूल में छात्रा को अमानवीय सजा देने वाली शिक्षिका को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि स्कूल में कुछ देर से पहुंचने पर शिक्षिका ने बच्ची को बैग पीठ पर टांग कर 100 उठक-बैठक कराया था। इसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कक्षा 6वीं की एक छात्रा की मौत के मामले में एक

महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि, शिक्षिका ने छात्रा को स्कूल में देर से आने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना के बाद छात्रा की तबीयत खराब हुई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। क्या है पूरा मामला मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान बच्ची की जेजे अस्पताल में मौत हो गई। आरोपी शिक्षिका के खिलाफ केस दर्ज मामले में वालिव पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि शिक्षिका, जिसे बाद में वसई इलाके के सतिवली के प्राइवेट स्कूल से निकाल दिया गया, पर भारतीय न्याय संहिता के तहत गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। लड़की को कथित तौर पर 8 नवंबर को स्कूल देर से पहुंचने पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। उसकी मां ने आरोप लगाया है कि लड़की की मौत उसकी टीचर की तरफ से दी गई 'अमानवीय सजा' के कारण हुई।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट

माउंट सेमेरू पर 170 से ज्यादा पर्वतारोहियों को बचाया गया

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया का माउंट सेमेरू ज्वालामुखी, जिसे महामेरू भी कहा जाता है, एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल ज्वालामुखी में अचानक विस्फोट हुआ है और वहां कैम्पिंग कर रहे 170 से ज्यादा पवतारोही फंस गए। हालांकि इंडोनेशियाई अधिकारियों ने सभी सुरक्षित निकाल लिया है। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर मौजूद देश के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी माउंट सेमेरू में अचानक हुए विस्फोट के बाद करीब 178 पर्वतारोही और स्थानीय लोग फंस गए थे। गुरुवार को इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बताया कि सभी को सुरक्षित वापस लाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक ये लोग रानू कुम्बोलो नाम के कैम्पिंग एरिया में रुके हुए थे, जो खतरे के मुख्य क्षेत्र से बाहर है। हालांकि, वहां भी ज्वालामुखी की राख पहुंची और पर्वतारोहियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सेंटर फॉर वोल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल डिजास्टर मिटिगेशन के एक और अधिकारी, हेट्टी ट्राइस्टुटी ने कहा कि रानू कुम्बोलो एक सुरक्षित इलाका है जो क्रेटर से आठ किलोमीटर (5 मील) के मुख्य डेंजर जोन के बाहर है। कैंपिंग एरिया पहाड़ की उत्तरी ढलान पर है, जो दक्षिण-दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ते हुए देखे गए गर्म बादलों के रास्ते में नहीं है। 13 किमी तक फैली गरम राख, गैस और पत्थर ज्वालामुखी में हुआ विस्फोट बुधवार दोपहर से शाम तक लगातार चलता रहा। इस दौरान माउंट सेमेरू में 13 किलोमीटर तक गरम

राख, गैस और पत्थर फैल गए। वहीं ज्वालामुखी विस्फोट के बाद करीब दो किलोमीटर ऊंचा धुएं का गुबार हवा में उठा। इस खतरनाक गतिविधि को देखकर वैज्ञानिकों ने अलर्ट के स्तर को सबसे ऊंचा कर दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 8 किलोमीटर के खतरे क्षेत्र में कोई न जाए। बिसुक कोबोकन नदी घाटी के आसपास सबसे ज्यादा खतरा है, क्योंकि यहीं से गरम लावा और गैसें नीचे की ओर बह रही हैं। तीन गांवों से हजारों लोग सुरक्षित स्थान पर भेजे गए लगभग 1,000 लोगों को तीन गांवों से एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। किसी मौत की खबर नहीं है, लेकिन राख के कारण कई गांवों में दिन में अंधेरा छा गया, सल्फर की तेज गंध महसूस हुई, और दो बाइक सवार भी इसके चपेट में आ गए हैं। इंडोनेशिया की जियोलॉजी एजेंसी के चीफ मुहम्मद वाफिद ने कहा कि ईस्ट जावा प्रांत में माउंट सेमेरू से गर्म राख और चट्टान, लावा और गैस के मिक्सचर के जलते हुए बादल निकले, जो बुधवार दोपहर से शाम तक लगातार 13 किलोमीटर (8 मील) तक ढलानों से नीचे तक गए, जबकि गर्म बादलों का एक मोटा गुबार हवा में दो किलोमीटर (1.2 मील) ऊपर उठ गया, जिससे साइंटिस्ट्स ने ज्वालामुखी का अलर्ट सबसे ऊंचे लेवल पर बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि पाइरोक्लास्टिक डेंसिटी करंट की एक सीरीज पहाड़ की ढलानों से नीचे आई, और ज्वालामुखी मटीरियल के तेज हिमस्खलन दक्षिणी किनारे पर बेसुक कोबोकन नदी घाटी से नीचे उतरते हुए दिखाई दे रहे थे। वाफिद ने कहा, 'माउंट सेमेरू की भूकंपीय गतिविधि से पता चला कि विस्फोट ऊंचे लेवल पर जारी रहा और हिमस्खलन के सिग्नल की संख्या बढ़ रही थी।' 'दिसंबर 2021 में माउंट सेमेरू में हुआ था बड़ा विस्फोट माउंट सेमेरू, जिसे महामेरू भी कहा जाता है, इतिहास में कई बार फटा है। दिसंबर 2021 के बड़े विस्फोट में 51 लोगों की मौत हुई थी और हजारों घर तबाह हो गए थे। इंडोनेशिया 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए यहां भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधियां आम हैं।

वॉशिंगटन में पाइपलाइन लीक, गवर्नर ने आपातकाल घोषित किया ताकि सिएटल एयरपोर्ट को ईंधन मिलता रहे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन राज्य के गवर्नर बॉब फर्ग्युसन ने बुधवार को आपातकाल घोषित कर दिया है। वजह है, एक बड़ी पाइपलाइन में रिसाव, जिसकी वजह से सिएटल-टकोमा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जेट ईंधन की सप्लाई

रुक गई है। अगर तुरंत अतिरिक्त इंतजाम नहीं किए गए, तो एयरपोर्ट की उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरपोर्ट पर ईंधन समय पर पहुंचाने के लिए फैसला गवर्नर के आदेश के बाद अब ट्रकों की तरफ से जेट ईंधन लाने-ले जाने में ड्राइवरों के घंटों से जुड़े राज्य के नियम अस्थायी तौर पर ढीले कर दिए गए हैं। यह कदम सिर्फ इसलिए उठाया गया है ताकि पर्याप्त ईंधन समय पर एयरपोर्ट पहुंचता रहे। साथ ही, सरकार ने बताया कि सुरक्षित ड्राइविंग के नियम लागू रहेंगे, ताकि कोई जोखिम न हो। 11 नवंबर को ओलंपिक पाइपलाइन में रिसाव मिला दरअसल, 11 नवंबर को सिएटल के उत्तर में, एवरेट और स्नोहोमिश के बीच ओलंपिक पाइपलाइन में रिसाव पाया गया। पाइपलाइन ऑपरेटर बीपी पाइपलाइन्स उत्तरी अमेरिका ने राज्य और संघीय एजेंसियों को सूचना देकर साफ-सफाई और मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। लेकिन यह साफ नहीं है कि पाइपलाइन कब तक पूरी तरह चालू हो पाएगी। एयरपोर्ट के पास फिलहाल बहुत सीमित ईंधन गवर्नर कार्यालय ने चेतावनी दी है कि अगर शनिवार तक सप्लाई बहाल नहीं हुई, तो एयरपोर्ट की गतिविधियां 'काफी प्रभावित' हो सकती हैं। एयरपोर्ट के पास फिलहाल बहुत सीमित ईंधन मौजूद है। इसी वजह से पिछले हफ्ते से आने वाली उड़ानों को कहा जा रहा है कि वे प्रस्थान स्थल पर ही टैंकों को पूरा भरकर आएं।

'तुम खुशकिस्मत हो कि मैं तुम्हारे साथ हूं...', दिग्गज कारोबारी एलन मस्क पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कसा तंज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अरबपति एलन मस्क पर तंज कसते हुए कहा कि 'तुम खुशकिस्मत हो कि मैं तुम्हारे साथ हूं।' ट्रंप ने इलेक्ट्रिक कार खरीदने वाले मध्यम वर्ग के लोगों को कर में मिल रही छूट का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क पर तंज कसा हैं। इससे दोनों के बीच फिर तकरार बढ़ सकती है। ट्रंप ने मस्क का नाम लेते हुए कहा,

तुम खुशकिस्मत हो कि मैं तुम्हारे साथ हूं। अमेरिका-सऊदी निवेश मंच पर अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने यह टिप्पणी की। इससे पहले व्हाइट हाउस में रात्रिभोज पर दोनों साथ दिखे थे, जिससे इस बात के संकेत मिल रहे थे कि उनके बीच तनाव कम हो सकता है। ट्रंप ने अपने अंदाज में कई बार दोहराया कि उन्होंने मस्क को उनके नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग के छोटे कार्यकाल के दौरान काफी समर्थन दिया। उन्होंने कहा, क्या उन्होंने कभी इसके लिए सही से धन्यवाद किया? इसके बाद ट्रंप ने इलेक्ट्रिक कार खरीदने वालों के लिए कर में छूट के कदम का प्रचार किया। उन्होंने इसे मध्यम वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा, ऐसे लोग जो कार खरीदते हैं, उन्होंने कभी यह सुविधा नहीं देखी। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यम वर्ग के लोगों को कर में कटौती का मतलब भी ठीक से नहीं पता। उन्होंने मजाक में कहा, मैं भी कर में कटौती का लाभ उठाता हूं। हम सभी इसका लाभ उठाते हैं। ट्रंप ने बताया कि उनकी सरकार मध्यम वर्ग के लोगों को कर में छूट देती है, अगर वे कोई महंगी या अच्छी टेस्ला कार खरीदते हैं और इसके लिए पैसा उधार (बैंक या किसी अन्य स्त्रोत से ऋण) लेते हैं।

अफगान नागरिकों पर पाकिस्तान में कार्रवाई तेज, पंजाब प्रांत ने छह हजार लोगों को वापस भेजा अफगानिस्तान

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में अवैध अफगान नागरिकों पर एक्शन जारी है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने अवैध अफगान निवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। केवल नवंबर के महीने में ही 6,000 से ज्यादा लोगों को अफगानिस्तान वापस भेजा जा चुका है। पंजाब सरकार के मंत्री ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि हुकूमत ने 13 करोड़ की आबादी वाले प्रांत में अवैध रूप से रह रहे अफगानों के बारे में जानकारी देने वाले पाकिस्तानियों को 'नकद इनाम' भी दिया है। पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने एक बयान में कहा, पंजाब में अवैध रूप से रह रहे अफगानों के खिलाफ अभियान जोरों पर है। प्रांत भर

में यह कार्रवाई संगठित, कानूनी और प्रभावी तरीके से की जा रही है। आजमा बुखारी ने कहा कि पंजाब सरकार ने नागरिकों को व्हिसलब्लोअर तंत्र के तहत जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया है, नतीजतम कई लोग सटीक और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्रदान कर रहे हैं। बुखारी ने कहा, अवैध रूप से रह रहे अफगानों नागरिकों की पहचान करने वालों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे और हर मुखबिर की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि नवंबर में पंजाब से 6,220 अवैध अफगान नागरिकों को अफगानिस्तान वापस भेजा गया है और यह अभियान प्रभावी ढंग से जारी रहेगा। उन्होंने कहा, पंजाब से अवैध अफगान निवासियों की वापसी प्रक्रिया सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है और सरकार इस संबंध में अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति का सख्ती से पालन कर रही है। बीते महीने पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने प्रांत में अवैध रूप से रह रहे लगभग 22,000 अफगान नागरिकों को वापस भेजा था। उन्होंने बताया कि विदेशी (अफगान) नागरिकों को वापस भेजने के अभियान का तीसरा चरण शुरू हो गया है। पंजाब सरकार ने पिछले महीने लाहौर से 325 किलोमीटर दूर मियांवाली के 'कोट चांदना' में स्थित आखिरी अफगान शरणार्थी शिविर को गैर-अधिसूचित कर दिया था। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा में ऐसे चार और बलूचिस्तान में 10 शिविर अभी भी चल रहे हैं। तीसरे चरण की शुरूआत से पहले पंजाब सरकार ने पाकिस्तान की अवैध विदेशी प्रत्यावर्तन योजना (IFRP) के तहत अप्रैल से सितंबर तक लगभग 43,000 अफगान नागरिकों को वापस भेजा था। सभी अवैध निवासियों को पूरी तरह से बाहर निकालने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पंजाब सरकार के पास अभी भी प्रांत में 46 कार्यात्मक हिरासत केंद्र हैं, जिनमें लाहौर में पांच शामिल हैं। इन हिरासत केंद्रों में अवैध रूप से रह रहे अफगान नागरिकों को तब तक रखा जाता है, जब तक उन्हें अफगानिस्तान में प्रवेश के लिए तोरखम सीमा तक नहीं पहुंचा दिया जाता। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी ने बताया कि 35 लाख से अधिक अफगान पाकिस्तान में रह रहे हैं, जिनमें लगभग 7,00,000 लोग शामिल हैं जो 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद आए थे। संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया कि उनमें से आधे लोग बिना दस्तावेज के थे। शहबाज शरीफ सरकार ने अफगान नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर कहा कि शरणार्थियों की बड़ी तादात राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही है और सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव डाल रही है, इसलिए उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए।

जेन-जी आंदोलन में 80 अरब की संपत्ति का नुकसान; उद्योगों से लेकर सरकारी ढांचे तक बड़ा नुकसान

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के दौरान 80 अरब नेपाली रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ। रिपोर्ट में सरकारी, निजी और स्थानीय संस्थानों का भारी नुकसान सामने आया। नेपाल में आठ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन और नौ सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान 8,000 करोड़ (80 अरब) से

अधिक नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। अर्थ (फाइनेंस) मंत्रालय के अनुसार, जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देशभर में सार्वजनिक संपत्ति, निजी व्यवसाय, संस्थान व व्यावसायिक समूहों को मिलाकर 80.22 अरब नेपाली रुपये की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। क्षति मूल्यांकन तथा पुनर्निर्माण अध्ययन उपसमिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट पर अर्थ मंत्रालय में चर्चा की। सरकार जहां लगभग एक खरब रुपये तक की क्षति का अनुमान लगा रही थी, वहीं उपसमिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह राशि उससे लगभग 20 अरब रुपये कम बताई गई है। 80.22 अरब में से 39 अरब रुपये का निजी क्षेत्र को, 28 अरब का संघीय सरकार को, चार अरब का प्रांतीय सरकारों को तथा नौ अरब का स्थानीय संरचनाओं व उद्योग व्यवसायों को नुकसान हुआ है। बैठक में उपसमिति ने बताया कि अभी अंतिम विवरण आना बाकी है। जेन-जी और ओली समर्थकों में हुआ टकराव, कर्फ्यू भारत के सीमावर्ती नेपाल के बारा जिले में जेन-जी व सीपीएन-यूएमएल के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद क्षेत्र में बुधवार को कर्फ्यू लागू कर दिया गया। सीपीएन-यूएमएल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी है। बारा जिले के प्रशासनिक कार्यालय ने बताया कि सिमारा हवाईअड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। यह फैसला जेन-जी व पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों के बीच टकराव के बाद लेना पड़ा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद राफेल के खिलाफ चीन ने चलाया दुष्प्रचार अभियान

अमेरिकी रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस की एक सालाना रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि मई में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सैन्य संघर्ष हुआ। इसके बाद चीन ने अपने विमानों की बिक्री बढ़ाने के लिए राफेल के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाया था। इसके लिए एआई और वीडियो गेम्स की तस्वीरें फैलाई गई थीं। कश्मीर के पहलगाम में इस साल मई में आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य झड़प हुई। इस दौरान चीन ने अपने जे-35 लड़ाकू विमानों को बेचने के लिए राफेल विमानों की बिक्री रुकने की भ्रामक जानकारी फैलाई थी। इसके लिए उसने अभियान चलाया। इसके तहत उसने सोशल मीडिया पर फर्जी खाते बनाकर एआई और वीडियो गेम की तस्वीरें फैलाईं, जिनमें दिखाया गया कि चीन के हथियारोंसे फ्रांस के विमानों को नुकसान पहुंचा। यह खुलासा अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में हुआ है। दरअसल,

अमेरिकी कांग्रेस ने हाल ही में अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की सालाना रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट 745 पन्नों की है और ऑनलाइन उपलब्ध है। रिपोर्ट में साइबर, आर्थिक, सूचना, महंगाई, कानून और अंतरिक्ष जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में चीन की गतिविधियों की जानकारी दी गई है। इसमें 97वें पन्ने में राफेल के खिलाफ चीन के दुष्प्रचार अभियान का खुलासा किया गया है। अमेरिकी कांग्रेस की वार्षिक रिपोर्ट में क्या कहा गया रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने मई 2025 में हुए भारत-पाकिस्तान संघर्ष में पाकिस्तान को हथियार और खुफिया जानकारी दी। भारतीय सेना का कहना है कि चीन ने पाकिस्तानी सेना को भारत की सैन्य स्थिति की लाइव जानकारी दी और इस संघर्ष का इस्तेमाल अपने हथियारों की क्षमता को जांचने के लिए किया। पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया और चीन ने अपनी भूमिका की पुष्टि या खंडन नहीं किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।